पेज : 2

पेज : 4

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, शनिवार, 29 मार्च 2025, वर्ष : 9, अंक : 03 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

संक्षिप्त समाचार

भारत में 284 हुई अरबपतियों की संख्या, अमेरिका-चीन के बाद तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली । भारत में लगातार अरबपतियों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। अब यह संख्या बढ़कर 284 हो गई है, जिनकी कुल संपत्ति 98 लाख करोड़ रुपए है। एक लेटेस्ट रिपोर्ट में बताया गया है कि रिपोर्ट पता चलता है कि देश के सबसे धनी व्यक्तियों की कुल संपत्ति में पिछले एक साल में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है और अकेले मुंबई में 90 अरबपति हैं। भारत वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति में है, अरबपतियों की संख्या के मामले में देश विश्व में तीसरे नंबर पर है, जो केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। अमेरिका 870 अरबपतियों के साथ इस सूची में टॉप पर हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 175 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में बढ़ोतरी हुई है, जबकि 109 की संपत्ति में या तो गिरावट आई है या बदलाव नहीं हुआ है। एक भारतीय अरबपति की औसत संपत्ति अब 34,514 करोड़ है। इसके अलावा भारत में 40 साल से कम आयु के 7 अरबपति हैं, जिनमें से अधिकांश बेंगलुरु और मुंबई के हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पिछले साल 189 बिलियन डॉलर की कमाई के साथ सबसे बड़ी संपत्ति वृद्धि दर्ज करवाई। मस्क ने पांच साल में चौथी बार दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपना खिताब बरकरार रखा है और वह 400 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं।

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस 266 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने मेटा के एआई और टेक्नोलॉजी में अपग्रेड में मजबूत निवेशक विश्वास के कारण पहली बार टॉप श्री में जगह बनाई। इस साल की सूची में मनोरंजन, खेल और सोशल मीडिया से भी नाम शामिल रहे। इनमें सिंगर जे-जेड, रिहाना, टेलर स्विफ्ट और पॉल मेकार्टनी शामिल हैं। अरबपति क्लब में जगह बनाने वाली खेल हस्तियों में माइकल जॉर्डन, टाइगर वुड्स, फ्लॉयड मेवेदर, लेब्रोन जेम्स, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी शामिल हैं। किम कार्दशियन वर्ल्ड रैंकिंग में शामिल होने वाली एकमात्र प्रभावशाली हस्ती हैं।

चारा घोटाले का 950 करोड़ वापस लाएगी सरकार, 29 साल बीत गए, एक भी रुपया खजाने में नहीं लौटा

पटना । बिहार सरकार, चारा घोटाला के अपने 950 करोड़ रुपए की वापसी के लिए कोर्ट जाएगी। सीबीआई, आईटी से बात करेगी। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने भी कहा कि हम वैसे सभी उपाय देख और कर रहे हैं, जिससे ये रुपए हमारे पास आ जाएं। पटना हाईकोर्ट ने चारा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपते समय उसे गबन किए गए रुपए को बिहार सरकार के खजाने में वापस लौटाने की जिम्मेदारी भी दी थी। रुपए, घोटालेबाजों की संपत्ति बेचकर लौटाने थे। पैसे नहीं मिलने से नाखुश बिहार सरकार बड़ी पहल करने में जुटी है। हालांकि, यह बहुत टफ काम है। इसको पूरा करने में सरकार के सामने बड़ी चुनौतियां होंगी। चारा घोटाला की जांच और कार्रवाई को 29 साल हो गए। पटना हाईकोर्ट ने मार्च 1996 में सीबीआई को जांच सौंपी थी। घोटाला में शामिल धाकड़ नेता, अफसर जेल गए। राजपाट गया। कई सजायाफ्ता हुए। जेल, जमानत और दूसरी कार्रवाई अब भी जारी है। इतने सालों में कार्रवाई से जुड़ा दूसरा टास्क, गबन के रुपयों की खजाना में वापसी, यूं ही पड़ा है। अभी तक के हालात के अनुसार निकट भविष्य में भी इस टास्क के पूरा होने की उम्मीद नहीं लगती। इस बारे में एजेंसियां कुछ नहीं बोलतीं। सिवाय इसके कि कार्रवाई जारी है।

राजशाही समर्थकों की हिंसक नारेबाजी से काठमांडू में लगा कर्फ्यू

नेपाल में बढ़ी राजनीतिक उथल-पुथल

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। नेपाल में हिंदू राज्य की बहाली की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को काठमांडू के तिनकुने में जमकर हिंसक प्रदर्शन किया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक इमारत में तोड़फोड़ की और आग लगा दी. काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ये विरोध प्रदर्शन रैली एक शांतिपूर्ण सभा के रूप में शुरू हुई थी, अचानक उग्र हो गई, जिसके चलते पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं. जिसमें कई सुरक्षाकर्मी और कई लोग घायल हो गए. हिंसक प्रदर्शन के बाद नेपाल के गृह मंत्रालय की ओर से तिनकुने और काठमांडू में कर्फ्यू का ऐलान कर दिया गया है.राजशाही समर्थकों की रैली में नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की गई. इस रैली में योगी आदित्यनाथ का एक बड़ा पोस्टर भी प्रदर्शनकारियों के हाथों में नजर आया, जिसमें उन्हें हिंदू राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में दिखाया गया.सुबह से ही संयुक्त आंदोलन समिति के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग हिंदू राष्ट्र की बहाली की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए थे. प्रदर्शनकारी तिनकुने क्षेत्र में जमा हुए, लेकिन

जैसे-जैसे भीड़ बढ़ी, स्थिति बिगड़ने लगी. प्रदर्शनकारियों ने सड़क किनारे बनी एक इमारत की खिड़कियां तोड़ दीं और आग लगा दी. सुरक्षा घेरा तोड़ने का प्रयास करने के बाद पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी. जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें रोकने और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े. वहीं, प्रदर्शनकारियों ने इमारत में तोड़फोड़ और आगजनी की, पुलिस पर पत्थर फेंके, सरकारी कार्यालयों में घुसने की कोशिश की. इस दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया. सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई. विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व नवराज सुबेदी के नेतृत्व वाली संयुक्त आंदोलन समिति ने किया था. इस आंदोलन को विवादास्पद व्यवसायी दुर्गा प्रसादी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेता राजेंद्र लिंगडेन का समर्थन मिला था. समिति की मांग है कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र और संवैधानिक राजशाही में बदला जाए. कई दक्षिणपंथी समूह इस आंदोलन को बढ़ावा दे रहे हैं. हालांकि नेपाल के धर्मनिरपेक्ष बनने के फैसले से कुछ वर्ग नाराज हैं.बता दें कि नेपाल को 2008 में संवैधानिक राजशाही से हटाकर धर्मनिरपेक्ष गणराज्य घोषित किया गया था, लेकिन कुछ कट्टरपंथी गुट और हिंदू संगठनों का मानना है कि नेपाल को दोबारा हिंदू राष्ट्र बनाया जाना चाहिए. समर्थकों का तर्क है कि नेपाल की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बचाने के लिए राजशाही जरूरी है, धर्मनिरपेक्ष सरकार से जनता खुश नहीं है. वहीं, विरोधियों का तर्क हा कि लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता नेपाल की नई पहचान बन चुकी है. राजशाही की वापसी नेपाल को पीछे ले जाएगी.

कुणाल कामरा को मिली राहत, 7 अप्रैल तक के लिए अग्रिम जमानत मंजूर

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। एकनाथ शिंदे पर विवादित वीडियो को लेकर कॉमेडियन कुणाल कामरा को शुक्रवार को मद्रास हाईकोर्ट से 7 अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत मिल गई है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि कामरा ने अपनी याचिका में कहा है कि वह अपनी जान को खतरा बताते हुए महाराष्ट्र की अदालत का दरवाजा नहीं खटखटा सकते। मुंबई की खार पुलिस ने 31 मार्च को कुणाल कामरा को पूछताछ के लिए पेश होने के लिए समन भेजा था। पुलिस की ओर से यह दूसरा समन है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पर कथित टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद विवादित कॉमेडियन कुणाल कामरा ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया और ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी थी। हालांकि, उनके पेश नहीं होने के बाद, मुंबई पुलिस ने कानूनी राय लेने के बाद एक और तारीख जारी की। मुंबई पुलिस ने कहा कि वह इस आरोप की जांच कर रही है कि पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मजाक उड़ाने से पहले कामरा ने कई अन्य प्रसिद्ध हस्तियों के बारे में व्यंग्यात्मक टिप्पणी की थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जदयू राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने दी चुनाव में प्रचंड जीत की दी अग्रिम शुभकामनाएं

- आगामी चुनावों में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हुई चर्चा

पटना/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शुक्रवार को जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं महासचिव राजीव रंजन प्रसाद ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार को बतौर एनडीए के सर्वसम्मत नेता के रूप में उनकी प्रचंड जीत की व संभावनाओं को लेकर शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने आगामी सरकार में उनके पुनः मुख्यमंत्री बनने की संभावना को लेकर बधाई प्रेषित की। रंजन प्रसाद ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान जदयू के सांगठनिक विस्तार को लेकर भी चर्चा की। पार्टी के भीतर नए कार्यकताओं को जोड़ने, संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों में बेहतर रणनीति पर विचार-विमर्श किया। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि पार्टी की मजबूती और आगामी चुनावों में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा हुई।

हेल्पलाइन नंबर..... +66618819218

ट्रेन-फ्लाइट सब कैंसिल, भूकंप से म्यांमार-थाईलैंड में भीषण तबाही

भारत ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी/ रमण श्रीवास्तव। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में बेहद ही शक्तिशाली भूकंप से धरती कांप उठी। इसका असर थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी देखने को मिला है। भूकंप का केंद्र म्यांमार में था और इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.7 मापी गई। अधिकारियों ने बताया कि बैंकॉक में एक निमार्णाधीन बहुमंजिला इमारत भूकंप के झटकों से भरभराकर ढह गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में एक बहुमंजिला इमारत धूल के गुबार के बीच ढहती नजर आ रही है और वहां मौजूद लोग चीखते-चिल्लाते हुए भाग रहे हैं। इमारत के मलबे में 40 से अधिक मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वे बैंकॉक के चटुचक मार्केट के पास स्थित घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य कर रहे हैं। शुरूआती खबरों के

अनुसार, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर आया, जिसका केंद्र पड़ोसी देश म्यांमार में था। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में स्वीमिंग पूल में पानी में लहरें उठती दिखीं।

अस्पतालों में बढ़ी खून की मांग

म्यांमार की सेना ने कहा कि भूकंप के बाद कई नागरिक मारे गए और घायल हुए हैं। एमआरटीवी ने कहा,भूकंप के केंद्र के पास मध्य सागाइंग और मांडले के अस्पतालों में कई लोग भर्ती हैं। उन अस्पतालों को खून की जरूरत है, इसलिए रक्तदाताओं से अनुरोध है कि वे रक्तदान के लिए तुरंत संबंधित अस्पतालों से संपर्क करें।

भूकंप से मरने वालों की संख्या में बढोतरी

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप से काफी तबाही मची है. म्यांमार में भूकंप से मची तबाही से 25 से ज्यादा लोगों की मौत हुई तो वहीं थाईलैंड में 3 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। 90 लोग अभी भी लापता हैं।

भूकंप के बाद यूरोपियन कमीशन का रिएक्शन

यूरोपियन कमीशन की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन कहा, विनाशकारी भूकंप के बाद म्यांमार और थाईलैंड से दिल दहला देने वाले दृश्य सामने आये हैं। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। यूरोप के कोपरनिकस सैटेलाइट पहले से ही मदद कर रहे हैं। हम और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। हम पूरी एकजुटता के साथ आपके साथ खड़े हैं।

म्यांमार एयरलाइंस ने कई उड़ाने रद्द कीं

म्यांमार नेशनल एयरलाइंस ने कुछ उड़ानें रद्द कीं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बैंकॉक में ढही इमारत के मलबे में खोज करने के लिए रेस्क्यू डॉग को बुलाया गया है।

भारतीय नागरीकों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

थाइलैंड में भारतीय नागरीकों के लिए जारी किया है। भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर +66618819218 जारी किया है।

अरबपतियों मित्रों के कर्ज माफ, भाई-भतीजावाद ने बैंकिंग सेक्टर को संकट में डाला: राहुल गांधी

- *राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने अपने अरबपति मित्रों के 16 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ कर दिए हैं, जिससे बैंकिंग सेक्टर संकट में है.*

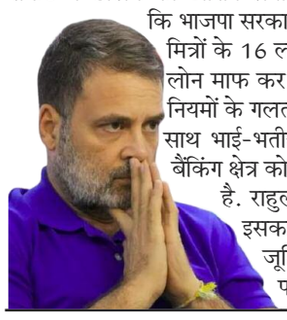

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर बैंकिंग सेक्टर को संकट में डालने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने अरबपति मित्रों के 16 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ कर दिए हैं. सरकार के नियमों के गलत मैनेजमेंट के साथ-साथ भाई-भतीजावाद ने भारत के बैंकिंग क्षेत्र को संकट में डाल दिया है. राहुल गांधी ने कहा कि इसका बोझ पूरी तरह से जूनियर कर्मचारियों पर पड़ता है. उन्हें काम को लेकर तनाव और मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं. राहुल गांधी ने कहा कि क्क्क्कबैंक के 782 पूर्व कर्मचारियों की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल ने कल संसद में मुझसे मुलाकात की. उनकी बातों में उनकी मुश्किलें मुझे साफतौर पर दिखाई दे रही थीं. वर्कप्लेस पर उत्पीड़न, जबरन ट्रांसफर, NPA उल्लंघनकताओं को गलत तर-ीके से लोन देने का खुलासा करने के लिए परेशान किया जाना और उचित प्रक्रिया के बिना बर्खास्तगी भी की गई. दो मामलों में सुसाइड भी किया गया है. भाजपा सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन की मानवीय कीमत चुकानी पड़ रही है. ये बहुत ही चिंता का विषय है जो देश भर के हजारों ईमानदार कर्मचारियों को प्रभावित करता है. कांग्रेस पार्टी इन कामकाजी वर्ग के पेशेवरों

के लिए न्याय की लड़ाई लड़ने और वर्कप्लेस पर इस तरह के उत्पीड़न और शोषण को खत्म करने के लिए इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से उठाएगी.पहले केंद्र सरकार संसद में इन शुल्कों से जुटाई गई राशि का डेटा उपलब्ध कराती थी, लेकिन अब यह प्रथा भी यह कहकर बंद कर दी गई है कि RBI ऐसे डेटा को बनाए नहीं रखता है. ये बहुत ही दर्दनाक है.

जज के घर कैश कांड: जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हुआ ट्रांसफर

वहां भी नहीं कर सकेंगे न्यायिक कार्य

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। विवादों में घिरे दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर हो गया है, लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट में भी वह कोई न्यायिक कार्य नहीं कर सकेंगे. इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट में भी उन्हें न्यायिक कार्य से अलग कर दिया गया था.जस्टिस वर्मा के घर में 14 मार्च को आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में जला हुआ कैश मिला था. 22 मार्च को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने मामले की जांच के लिए 3 जजों की इन हाउस कमिटी बना दी थी. 24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके ट्रांसफर की सिफारिश केंद्र सरकार को भेज दी थी.

'जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक कार्य देने से मना किया गया'

अब केंद्र सरकार ने जस्टिस वर्मा के ट्रांसफर की अधिसूचना जारी कर दी है. केंद्र की अधिसूचना के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी एक प्रेस रिलीज जारी की है. इसमें यह बताया गया है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक कार्य देने से मना कर दिया है.

इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने जताया विरोध

ध्यान रहे कि इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे जज के अपने यहां ट्रांसफर का विरोध कर रहा है. गुरुवार (27 मार्च) को इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष 5 दूसरे हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्षों के साथ सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से मिले थे. इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने उन्हें आश्वासन दिया था कि ट्रांसफर के बाद भी जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य नहीं करने दिया जाएगा.जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर के लिए भी एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनी गई. जजों ने याचिकाकर्ता से कहा कि जांच कमिटी की रिपोर्ट आने के बाद चीफ जस्टिस आपराधिक मुकदमा दर्ज करवाने पर भी विचार करेंगे. ऐसा ही आश्वासन गुरुवार को कॉलेजियम ने बार एसोसिएशन अध्यक्षों को भी दिया था.

'बोलने के समय तो राहुल गांधी वियतनाम में थे'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा-संसद में किसे बोलना है ये तय करें

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद के कामकाज की बुराई करने के लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि लोकसभा में बोलने के लिए दिए गए समय पर विपक्ष के नेता वियतनाम में थे. उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की ओर से घोषित ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण को मुसलमानों के लिए लॉलीपॉप बताया है. एक कार्यक्रम में गृहमंत्री ने कहा कि धर्म के आधार पर कोई भी आरक्षण संविधान का उल्लंघन है और अदालतें इसे खारिज कर देंगी. उन्होंने कहा कि हम धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार

के आरक्षण का पूरे तरीके से विरोध करते हैं.संसद के कामकाज की निंदा करने पर गृह मंत्री ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता शायद यह नहीं जानते कि सदन में बोलने के नियम हैं. उस नियम के मुताबिक ही काम करना होता है. उनपर अपनी मनमर्जी से नहीं चलाई जा सकती.इन्हें तय करना है किसे बोलना है.उन्होंने कहा कि बजट पर चर्चा में राहुल गांधी को 42 प्रतिशत समय दिया गया. अब यह उन पर निर्भर है कि वे तय करें कि उनकी पार्टी की ओर से कौन बोलेगा.

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब संसद में गंभीर चर्चा हो रही थी, तब वह वियतनाम में थे और जब वह वापस लौटे, तो उन्होंने अपनी इच्छा के अनुसार बोलने पर जोर देना शुरू कर दिया.

- *3-6 महीने में बर्बाद हो जाएंगे...पी. चिदंबरम*

ट्रंप के टैरिफ वॉर पर चिदंबरम ने मोदी सरकार को दी क्या चेतावनी?

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। अमेरिका के टैरिफ प्लान को लेकर अब विपक्ष सरकार से तीखे सवाल पूछ रहा है। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने सरकार से पूछा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर की धमकी पर भारत का क्या जवाब है? उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले पर संसद में कोई चर्चा नहीं हुई और न ही विपक्षी दलों से सलाह ली गई। चिदंबरम ने अन्य देशों के साथ मिलकर साझा रणनीति बनाने की बात कही है। उनका मानना है कि अगर ट्रंप अलग-अलग देशों पर अलग-अलग टैरिफ लगाते हैं, तो प्रभावित देशों को अकेले ही लड़ना पड़ेगा। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे पर स्पष्ट नीति बनाने और विपक्ष को विश्वास में लेने की अपील की है। चिदंबरम ने यह भी कहा कि कई मंत्रियों को इस मामले की जानकारी नहीं है। उन्हें डर है कि ट्रंप एक-एक करके देशों को निशाना बना सकते हैं, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने एक निजी चैनल को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका की विदेश नीति पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका अपने वादे से मुकरता है, तो भारत सरकार को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। सरकार को वैकल्पिक योजनाएं बनानी चाहिए और विपक्ष को भी विश्वास में लेना चाहिए। चिदंबरम ने कहा कि उन्हें लगता है कि ज्यादातर मंत्रियों को इस बारे में कुछ नहीं पता है। उन्होंने कहा, 'वास्तव में, मेरी जानकारी यह है कि अधिकांश मंत्री अंधेरे में हैं, अमेरिका की अनिश्चित नीति के लिए प्रतिक्रियाशील नीति बनाने में कौन शामिल है? मुझे नहीं पता। ऐसा लगता है कि किसी को पता नहीं है। ट्रंप के ऑटो आयात पर 25% टैरिफ लगाने के फैसले से भारत के लगभग 7 बिलियन डॉलर के निर्यात पर अनिश्चितता छा गई है। उद्योग जगत को डर है कि इससे मुनाफा कम हो सकता है। अमेरिका में आयात होने वाली ऑटोमोबाइल और कार पार्ट्स पर 2 अप्रैल से 25% टैरिफ लगेगा। भारत कारों का बड़ा निर्यातक नहीं है, लेकिन टाटा मोटर्स की लग्जरी कार कंपनी जगुआर लैंड रोवर अमेरिकी बाजार में अच्छी तरह से स्थापित है। भारतीय ऑटो सहायक कंपनियों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा क्योंकि वे अमेरिका को बहुत सारे कंपोनेंट्स का निर्यात करते हैं। भारत के ऑटो कंपोनेंट सेक्टर की लगभग पांचवां हिस्सा निर्यात से आता है। इसमें से 27% अकेले अमेरिकी बाजार में जाता है। चिदंबरम ने कहा, 'मुझे लगता है कि सरकार एक तरह से बिना सोचे-समझे, एकतरफा फैसले ले रही है। उदाहरण के लिए बजट भाषण में उन्होंने 2% टैक्स हटा दिया। परसों वित्त मंत्री ने घोषणा की कि 6% डिजिटल सर्विस टैक्स, जिसे आमतौर पर गूगल टैक्स के रूप में जाना जाता है, चला जाएगा।अब वे मिस्टर ट्रंप को और क्या रियायतें देने जा रहे हैं?' चिदंबरम ने आगे कहा कि 'तेल उत्पादक देश भी आपस में बातचीत कर रहे हैं। भारत एक बड़ा कृषि निर्यातक है। हम कपड़ा भी बहुत निर्यात करते हैं।हम कई औद्योगिक सामान भी निर्यात करते हैं। इसलिए हमें उन देशों के साथ मिलकर काम करना चाहिए जो कृषि, कपड़ा और औद्योगिक सामान विश्व बाजार में निर्यात करते हैं। हमें एक साथ मिलकर एक रास्ता निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप एक-एक करके देशों को चुनते हैं और उन पर टैरिफ लगाते हैं, तो यह उस देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर देगा।

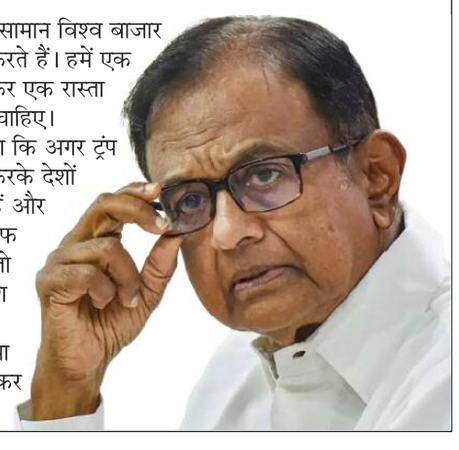

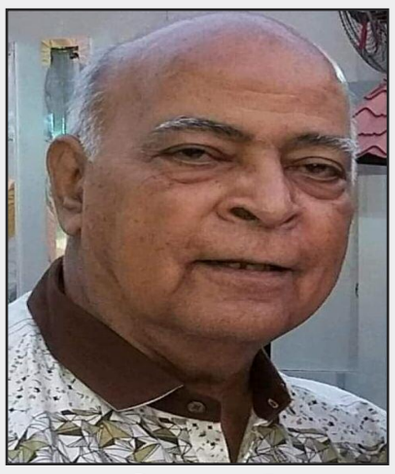

अशोक भाटिया

औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों के हिमायती बनते थे। लेकिन मुस्लिम प्रेम में समाजवादी पार्टी के नेता इतने गिर जाएंगे यह किसी ने सोचा भी ना होगा। इंडी गठबंधन और सपा हिंदुओं का गौरवशाली इतिहास बिगाड़ने में जुटी हुई है।

सपा सांसद पहले इतिहास को बिगाड़ेंगे फिर माफी भी नहीं मांगेंगे

इंडी गठबंधन में सहयोगी समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम तुष्टिकरण की सारी हदें पार कर दी हैं। पहले तो सपाई सिर्फ मुस्लिम हितैषी बनते थे। औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों के हिमायती बनते थे। लेकिन मुस्लिम प्रेम में समाजवादी पार्टी के नेता इतने गिर जाएंगे यह किसी ने सोचा भी ना होगा। इंडी गठबंधन और सपा हिंदुओं का गौरवशाली इतिहास बिगाड़ने में जुटी हुई है। अब राज्यसभा में समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन ने मुगलों से लोहा लेने वाले मेवाड़ के वीर योद्धा महाराणा संग्राम सिंह सांगा के खिलाफ बेहद अपमानजनक टिप्पणी कर दी है। उन्होंने राणा सांगा के वंशजों और उन्हें मानने वाले हिंदुओं को गद्दार तक कह डाला है। सपा सांसद की इस अभद्र, अशोभनीय, असभ्य और अनर्गल टिप्पणी को लेकर राजस्थान समेत देशभर की सियासत में उबाल आ गया है। भाजपा ने पलटवार करते हुए इसके लिए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से माफी मांगने के लिए कहा है। राजस्थान के सीएम भजनलाल ने कहा कि मेवाड़ के महान योद्धा राणा सांगा के बारे में समाजवादी पार्टी के सांसद का निम्नस्तरीय बयान, न केवल राजस्थान की 8 करोड़ जनता को, बल्कि सम्पूर्ण देशवासियों को आहत करने वाला है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा को गद्दार कहने का मुद्दा राजस्थान विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस ने आपत्ति की तो भाजपा ने कहा कि इससे साफ तय हो गया कि आप लोग भी रामजीलाल सुमन के साथ हो। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में जो बयान दिया उससे पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। सपा सांसद सुमन ने मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते राणा सांगा को लेकर बयान में कहा था कि ह्यबीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का उछअ है। मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? सुमन ने अनर्गल दावा किया कि इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते। बता दें कि देश में पहले से औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इसके बाद राणा सांगा पर विवादित बयान के बाद यह बहस और तेज हो गई है। राजस्थान के साथ उत्तर प्रदेश की राजनीति में महाराणा सांगा विवाद गहराता जा रहा है। राणा सांगा को लेकर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने जो विवादित बयान दिया है। उन्होंने

राज्यसभा में औरंगजेब विवाद पर अपना पक्ष रखा। सीधे तौर पर मुगल शासक बाबर को भारत में बुलाए जाने के लिए राणा सांगा को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, इतिहास में इसको लेकर अलग-अलग बातें लिखी हुई हैं। बावजूद इसके सदन के पटल पर समाजवादी पार्टी नेता के बयान ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। राजपूत समाज इस पूरे मामले को लेकर आक्रोशित है।महाराणा सांगा पर की गई विवादित टिप्पणी के बाद इतिहासकारों और विशेषज्ञों के बीच भी एक नई बहस छिड़ गई है। इतिहासकारों का कहना है कि यह सत्य नहीं है कि महाराणा सांगा ने बाबर को भारत आने का न्योता भेजा था। बल्कि बाबर ने स्वयं संधि दूत के माध्यम से महाराणा सांगा के पास संदेश भेजा था। इसी को लेकर इतिहासकारों और विशेषज्ञों द्वारा तमाम तथ्यों को खंगालकर सत्य सामने लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राजस्थान विश्वविद्यालय में इतिहास पर पीएचडी कर चुके प्रोफेसर वेदप्रकाश शर्मा ने बाबरनामा और अन्य ऐतिहासिक दस्तावेजों के हवाले से इस बारे में कुछ अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा, महाराणा सांगा भारतीय इतिहास के एक अमरवीर थे, जिन्होंने 1517 में खातोली और 1518 में बाड़ी के युद्ध में इब्राहिम लोदी को पराजित किया तथा फरवरी, 1527 में बाबर को कड़ी चुनौती दी। शर्मा ने कहा कि खातोली और खंडार जैसे युद्धों में लोदी को बुरी तरह पराजित करने के बाद भी क्या सांगा को लोदी को हराने के लिए बाबर को बुलाने की जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा कि महाराणा संग्राम सिंह (राणा सांगा) भारतीय इतिहास के एक महान योद्धा और कुशल रणनीतिकार थे। उन्होंने न केवल वीरता का परिचय दिया, बल्कि अपने शासनकाल में मेवाड़ को एक शक्तिशाली राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने खातोली (1517), बाड़ी (1518) और खानवा (1527) जैसे महत्वपूर्ण युद्धों में अपनी सैन्य रणनीति का परिचय दिया। उनकी सेना में राजपूतों के साथ-साथ अफगान, मराठा और आदिवासी सैनिक भी शामिल थे, जो उनकी कुशल सैन्य नीति को दशार्ता है। वे गुरिल्ला युद्ध और खुली लड़ाई दोनों में माहिर थे। राणा सांगा ने राजपूत संघ की स्थापना कर राजपूत शक्ति को संगठित करने का प्रयास किया। उनके नेतृत्व में कई राजपूत राजा एकजुट हुए और विदेशी आक्रमणकारियों के खिलाफ लड़े।उन्होंने दिल्ली सल्तनत के सुल्तान इब्राहिम लोदी, गुजरात के सुल्तान और मालवा के शासकों को युद्ध में पराजित किया। बाबर के विरुद्ध 1527 में खानवा का युद्ध लड़ा जो भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना के लिए निर्णायक युद्ध था।वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और उनकी सेना में विभिन्न जाति और समुदायों के लोग शामिल थे। उन्होंने अपने शासन में कठोर लेकिन न्यायपूर्ण प्रशासन लागू किया और प्रजा की भलाई के लिए कार्य किए। इसके अलावा उन्होंने गुजरात, मालवा और दिल्ली के शासकों के खिलाफ कूटनीतिक चालें चलीं, जिससे वे बार-बार अपनी सैन्य शक्ति को बढ़ाने में सफल हुए। उन्होंने अपने विरोधियों को पराजित कर राजस्थान और उत्तर भारत में अपनी शक्ति को सर्वोच्च स्थान दिलाया।वे मातृभूमि की रक्षा के लिए जीवन भर संघर्षरत रहे और कभी विदेशी ताकतों के सामने नहीं झुके। उनका जीवन और बलिदान राजस्थान का स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रेरणास्त्रोत बना। महाराणा सांगा न केवल राजस्थान बल्कि संपूर्ण भारत के इतिहास में एक अमर योद्धा और महान शासक के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वीरता, सैन्य कौशल और कूटनीतिक कुशलता ने भारतीय उपमहाद्वीप की राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। उनका जीवन युद्ध, संघर्ष, साहस और देशभक्ति की अद्वितीय मिसाल है। इसी कड़ी में कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय जयपुर की इतिहास विभाग अध्यक्ष डॉ. सुमन धनाका ने इस विषय पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि बाबरनामा में लिखा गया है कि महाराणा सांगा ने बाबर को भारत आने का निमंत्रण भेजा था, लेकिन हमें यह समझना होगा कि बाबरनामा स्वयं बाबर द्वारा लिखा गया ग्रंथ है, जिसमें उसने अपनी विजय को महिमामंडित किया है। इतिहास को केवल एक स्रोत से देखना सही नहीं होगा।इतिहासकारों ने बताया कि महाराणा सांगा के दरबारी पुरोहित बागेश्वर पुरोहित ने अपनी डायरी में इस्का स्पष्ट विवरण दिया है। उनके वंशज अक्षय नाथ पुरोहित को यह डायरी प्राप्त हुई थी, जिसमें लिखा है कि बाबर ने महाराणा सांगा के पास संधि दूत भेजकर उनका सहयोग मांगा था, लेकिन महाराणा सांगा ने इसे अस्वीकार कर दिया था। हालांकि सलहदी के राजा ने महाराणा सांगा को इस प्रस्ताव को रणनीतिक रूप से स्वीकार करने की सलाह दी। सांगा ने इसे सीधे समर्थन के बजाय संधि के रूप में स्वीकार किया, लेकिन उन्होंने पानीपत के प्रथम युद्ध (1526) में कोई भाग नहीं लिया। सवाल यही उठाना लाजमी है कि अतीत के सवालों को जिस आक्रामक तरीके से उठाया जा रहा है, उससे ऐसा लगता है कि इतिहास की कब्र में दफन मुर्दे उखाड़ना आज की राजनीति के लिए मौजूदा चुनौतियों से निपटने से ज्यादा जरूरी हो गया है। दरअसल, ऐतिहासिक प्रतीकों पर सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह करना होगा। इस बात की परवाह किए बगैर कि उससे उनकी सियासत पर क्या असर होता है। यह बात भी याद रखनी चाहिए कि हिंसा-अस्थिरता के माहौल में निवेशक पीछे हट जाते हैं, जिससे विकास गतिविधियों पर बुरा असर पड़ता है।राजनीतिक दलों को वक्त रहते इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि उनके तौर-तरीके देश और समाज को किस तरफ ले जा रहे हैं। वोट हासिल करना उनके अस्तित्व की सार्थकता का सिर्फ एक पहलू है। उन्हें जनकल्याण की ज्यादा बड़ी कसौटियों पर भी खुद को और अपनी नीतियों को कसना है।

संपादकीय

भाषाई शालीनता

अमृता आर. पंडित

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के स्तन छूने वाले विवादित फैसले पर रोक लगा दी; जिसमें कहा गया था, पीड़िता के स्तन छूना और पायजामे की ड़ोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश नहीं है। बेंच ने इस फैसले को पूरी तरह असंवेदनशील व अमानवीय ठहराते हुए कहा कि यह फैसला अचानक नहीं सुनाया गया है बल्कि चार माह तक सुरक्षित रखने के बाद फैसला आया है। इसका मतलब है, जज ने उचित विचार-विमर्श करके और दिमाग लगाकर यह फैसला दिया है। पीठ ने कहा ऐसे कठोर शब्दों के प्रयोग पर हमें खेद है। शीर्ष अदालत ने इस पर केंद्र व उप्र सरकार को नोटिस भी भेजा। हाईकोर्ट का यह फैसला उप्र के कासगंज के मामले में दिया, जिसमें 2021 में 14 साल की किशोरी की मां का लड़की के निजी अंगों को छूने और पायजामे का नाड़ा तोड़ने का आरोप लगाया था। मामले में पॉस्को के अतिरिक्त बलात्कार व अपराध करने के प्रयास वाली धाराएं लगाई गई थीं। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी पर नेटीजनों ने गहरी निराशा व्यक्त की थी तथा यह फैसला सोशल मीड़िया में वायरल भी हुआ था। 2021 में सबसे बड़ी अदालत ने नागपुर बेंच के बॉम्बे हाईकोर्ट के ऐसे ही फैसले को पलटते हुए कहा था, बच्चे के निजी अंगों को यौन इरादे से छूने को पॉस्को अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत यौन हिंसा माना जाएगा। नाबालिगों के साथ होने वाले यौन शोषण को लेकर पॉस्को सरीखे कानून बनने के बाद भी इस तरह के असंवेदनशील व स्त्रीविरोधी फैसलों का आना, बेहद विराचणीय है। यहां तक की सॉलीसिटर जरनल ने भी कहा कि इस फैसले पर मैं गंभीर आपत्ति जताता हूं। बलात्कार न भी हुआ हो तो किसी किशोरी को अंधेरी जगह में ले जाकर उसकी देह को नोंचना, छूना या उसके कपड़ों को उतारने के प्रयास को मामूली तो नहीं माना जा सकता। वहीं उक्त मामले के दो प्रत्यक्षदर्शी भी हैं जिन्हें आरोपियों ने तमंचा दिखाया। ऐसे में जब सारी दुनिया बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों को महामारी से भयानक मान रही है, जिस पर सरकारों को गंभीरतापूर्वक काम करने की जरूरत है। सम्मानित अदालतों से बच्चों के अधिकारों की रक्षा की उम्मीद की जाती है। भाषा व शब्दों के चयन को लेकर इतनी संवेदना बनाये रखना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इसका असर दूर तलक जाता है।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान। यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं

अन्य देशों में रह रहे हिंदूओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता

आज लगभग 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विश्व के अन्य देशों में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के राजनैतिक पटल पर भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, आदि विकसित देश इसके प्रमाण हैं। आस्ट्रेलिया में तो भारतीय मूल के नागरिकों को राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय करने के गम्भीर प्रयास स्थानीय स्तर पर किए जा रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका सिद्ध हो चुकी है। राजनैतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी भारतीय मूल के नागरिकों ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है जैसे अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आज भारतीयों का ही बोलबाला है। अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच वन-बी वीजा जारी किए जाते हैं, इसमें से लगभग 60,000 एच वन-बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। इसी प्रकार अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारतीय मूल के नागरिक बन रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई देशों यथा सिंगापुर, गुयाना, पुर्तगाल, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका आदि के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति) भारतीय मूल के नागरिक रहे हैं एवं कुछ देशों में तो अभी भी इन पदों पर आसीन हैं। साथ ही, 42 देशों की सरकार अथवा विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी रहा है। दूसरी ओर, भारत के पड़ौसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बांग्लादेश में तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी वह आज घटकर 8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। बांग्लादेश में हिंदूओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए घातक हमलों की अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने भी भर्त्सना की थी, इसी प्रकार के विचार अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी प्रकट किया थे। 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है। बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएं, सम्पत्ति की लूट, महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात मतांतरण जैसी अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके मजहबी पक्ष को नकारना सत्य से मुंह मोड़ने जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीड़ित, हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों से ही हैं। बांग्लादेश में हिंदू समाज, विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा जनजाति समाज का इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत) दशार्ती है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसा और घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गम्भीर चिंता का विषय है। प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि इस सारे क्षेत्र की एक सांझी संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक सम्बंध हैं जिसके चलते एक जगह हुई कोई भी उथल पुथल सारे क्षेत्र में अपना प्रभाव उत्पन्न करती हैं।

प्रतिनिधि सभा का मानना है कि सभी जागरूक लोग भारत और पड़ौसी देशों की इस सांझी विरासत को दृढ़ता देने की दिशा में प्रयास करें।

यह उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के हिंदू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण, संगठित और लोकतांत्रिक पद्धति से साहसपूर्वक विरोध किया है। यह भी प्रशंसनीय है कि भारत और विश्वभर के हिंदू समाज ने उन्हें नैतिक और भावनात्मक समर्थन दिया है। भारत सहित शेष विश्व के अनेक हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन किए हैं और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा व सम्मान की मांग की है। इसके साथ ही विश्व भर के अनेक नेताओं ने भी इस विषय को अपने स्तर उठाया है। भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ खड़े रहने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। प्रतिनिधि सभा हिंदू समुदाय एवं अन्यान्य देशों के नेताओं से तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से आह्वान करती है कि बांग्लादेशी हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समाज के समर्थन में एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएं।बल्कि, पूर्व में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे अत्याचार की बात विभिन्न मंचों पर करता रहा है।

क्योंकि, यह पूरे विश्व के हित में है कि हिंदू सनातन संस्कृति को पूरे विश्व में फैलाया जाय ताकि पूरे विश्व में ही शांति स्थापित हो सके। इसके साथ ही, वैश्विक पटल पर भी संघ का कार्य द्रुत गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। विश्व के अन्य देशों में हिंदू स्वयंसेवक संघ कार्य कर रहा है। आज विश्व के 53 देशों में 1,604 शाखाएं एवं 60 साप्ताहिक मिलन कार्यरत हैं। पिछले वर्ष 19 देशों में 64 संघ शिक्षा वर्ग लगाए गए। विश्व के 62 विभिन्न स्थानों पर संस्कार केंद्र भी कार्यरत हैं। जर्मनी से इस वर्ष 13 विस्तारक भी निकले हैं। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उक्त प्रयासों की जितनी प्रशंसा की जाय उतनी कम है

राजेश श्रीवास्तव

"भारतीय न्यायपालिका: भ्रष्टाचार के आरोप और जवाबदेही का प्रयास"

स्वतंत्र भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखना हमेशा से एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। हालांकि, समय-समय पर न्यायपालिका के कुछ सदस्यों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं, जिससे इसकी साख पर प्रश्नचिह्न खड़ा हुआ। महाभियोग प्रक्रिया, न्यायिक जांच और पारदर्शिता के उपायों के बावजूद, कई मामलों में न्यायाधीशों ने इस्तीफा देकर कार्यवाही से बचने का प्रयास किया। 1993 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी पर वित्तीय अनियमितताओं और सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगा। उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन लोकसभा में प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत प्राप्त नहीं कर सका, जिससे वे अपने पद पर बने रहे।

2011 में कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सेन पर वकील के रूप में कार्य करने के दौरान धन के दुरुपयोग का आरोप लगा। राज्यसभा ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित किया, लेकिन लोकसभा में मतदान से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। यह भारत में पहला मामला था जब किसी न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संसद के एक सदन में पारित हुआ।

सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. डी. दिनाकरन पर भूमि अधिग्रहण और संपत्ति से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोप लगे। 2009 में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू की गई, लेकिन उन्होंने कार्यवाही के दौरान ही इस्तीफा दे दिया, जिससे महाभियोग प्रक्रिया समाप्त हो गई। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सी. एस. कर्णन ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, जिससे उनकी भूमिका विवादों में आ गई। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अदालत की अवमानना का दोषी पाया और 2017 में छह महीने की कारावास की सजा सुनाई। यह पहला मामला था जब किसी सेवारत न्यायाधीश को अवमानना के लिए जेल की सजा हुई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस. एन. शुक्ला पर मेडिकल कॉलेजों के प्रवेश से संबंधित मामलों में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगे। केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति की अनुमति से उनके खिलाफ जांच शुरू की और अंततः उन्हें पद से हटाने की सिफारिश की गई। 2023 में उन पर और उनकी पत्नी पर आय से अधिक संपत्ति रखने का भी आरोप लगा, जिसमें 2.45 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित करने का मामला सामने आया। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आई. एम. कुद्दुसी पर 2019 में भ्रष्टाचार के आरोप लगे। लखनऊ स्थित एक मेडिकल कॉलेज के पक्ष में फैसला प्रभावित करने के लिए रिश्वत लेने के मामले में उन्हें सह-आरोपी बनाया गया। सीबीआई ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। हाल ही में, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास में 14 मार्च 2025 को आग लगने की घटना के बाद, उनके स्टोर रूम से जले हुए नोटों के बंडल बरामद हुए। इतनी बड़ी मात्रा में नकदी का जलना संभावित वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा करता है। इस घटना के बाद, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनका तबादला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में करने की सिफारिश की, जिसे केंद्र सरकार ने 28 मार्च 2025 को मंजूरी दी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश दिया कि न्यायमूर्ति वर्मा को कोई न्यायिक कार्य न सौंपा जाए। इसके अतिरिक्त, इस मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। इन सभी मामलों से स्पष्ट होता है कि भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए सतर्कता आवश्यक है। महाभियोग प्रक्रिया जटिल और लंबी होने के कारण कई मामलों में न्यायाधीशों ने इस्तीफा देकर कार्यवाही से बचने का प्रयास किया। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि न्यायपालिका को केवल भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर कटघरे में खड़ा न किया जाए। भारतीय न्यायपालिका में ऐसे कई उदाहरण भी हैं, जहाँ न्यायाधीशों ने ईमानदारी और निडरता से अपने कर्तव्य का पालन किया। जस्टिस ए. पी. शाह ने अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय दिए, जो पारदर्शिता और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने वाले थे। सूचना का अधिकार (RTI) को मजबूत करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है।

जस्टिस वी. आर. कृष्ण अय्यर को सामाजिक न्याय का पैरोकार माना जाता है, जिन्होंने अपने फैसलों के माध्यम से गरीबों और वंचितों को न्याय दिलाने का प्रयास किया। जस्टिस यू. यू. ललित ने अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया और कई ऐतिहासिक फैसले दिए, जिससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ी। इस प्रकार, न्यायपालिका को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए सुधारों की आवश्यकता है, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनी रहे। इसके लिए सख्त आचार संहिता लागू करनी होगी, जिससे न्यायाधीशों की जवाबदेही सुनिश्चित हो। महाभियोग प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और तेज बनाया जाना चाहिए, ताकि आरोपी न्यायाधीश इस्तीफा देकर बच न सकें। साथ ही, एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग का गठन किया जाना चाहिए, जो न्यायाधीशों के खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच कर सके।जनता का न्यायपालिका पर विश्वास बनाए रखना अनिवार्य है, क्योंकि यह लोकतंत्र के तीन स्तंभों में से एक है। यदि न्यायपालिका पर ही भ्रष्टाचार के आरोप लगेंगे, तो न्याय और कानून के प्रति लोगों का भरोसा डगमगा सकता है। पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए समय-समय पर सुधारात्मक कदम उठाने आवश्यक हैं, ताकि भारत की न्यायपालिका अपनी गरिमा और निष्पक्षता बनाए रख सके।

दिल्ली की भाजपा सरकार गो संरक्षण एवं सुरक्षा के लिये कानून बनायेगी : सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की भाजपा सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह शहर में आवारा गायों की रक्षा एवं उनके संरक्षण के लिये एक कानून बनाएगी। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने विधानसभा में आवारा गायों एवं अन्य जानवरों के मुद्दे पर चर्चा के दौरान यह घोषणा की। सूद ने कहा, '' हम उचित विचार-विमर्श के बाद गो संरक्षण और सुरक्षा के लिए एक कानून लाएंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सरकार के विभिन्न विभागों के बीच कोई गलतफहमी न हो और हम कानून के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं का अध्ययन करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम सभी विधायकों और लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द ही विधेयक लाएंगे।'' मंत्री ने कहा, '' हमारे शहर की सुंदरता के लिए भी यह जरूरी है कि आवारा पशु सड़कों पर इधर-उधर न भटकें।

दिल्ली के विकासपुरी में पुलिस के साथ मुठभेड़ में अपराधी घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम दिल्ली के विकासपुरी में बृहस्पतिवार देर रात 25 वर्षीय एक वांछित अपराधी को पुलिस के साथ हुई संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान आकाश झा उर्फ मोनू के रूप में हुई है। वह मुठभेड़ में घायल हो गया जिसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वह लूट, गोलीबारी और हमले के कई मामलों में शामिल है। उन्होंने बताया कि झा उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर थाने में गुंडा अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में भी वांछित है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा, 'झा को पहले मायापुरी पुलिस थाने में दर्ज 2024 में हुई गोलीबारी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह पिछले साल नवंबर में जमानत पर रिहा हुआ था।' उन्होंने बताया कि पुलिस ने विकासपुरी के इंदिरा कैंप नंबर पांच में झा के ठिकाने का पता लगाया। रात करीब डेढ़ बजे जब पुलिस ने वहां छापा मारा तो आरोपी ने गोलियां चला दीं। उन्होंने बताया कि एक गोली एक अधिकारी के बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई और झा के बायें पैर में गोली लग गई। झा को तुरंत दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज हो रहा है। इलाज के बाद उसे औपचारिक तौर पर गिरफ्तार किया जाएगा।

बाहरी दिल्ली में वांछित अपराधियों के साथ मुठभेड़ में कांस्टेबल घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में पुलिस और वांछित अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल गोली लगने से घायल हो गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बृहस्पतिवार और शुक्रवार की मध्य रात्रि को पुलिस दल ने सशस्त्र डकैती में शामिल संदिग्ध लोगों के एक ठिकाने पर छापा मारा था, जिस दौरान यह मुठभेड़ हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने, सुल्तानपुरी थाने में दर्ज एक मामले में वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की। संदिग्धों की उपस्थिति की पुष्टि के बाद आधी रात के आसपास, जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो अपराधियों ने भागने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि हेड कांस्टेबल विकास और कांस्टेबल संदीप ने दो संदिग्धों का करीब 400 मीटर तक पीछा किया, तभी उनमें से एक ने गोली चला दी। पुलिस ने भी जवाब में गोलीबारी की, लेकिन कांस्टेबल संदीप के पेट और बाएं हाथ में गोली लग गई। कांस्टेबल को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और उनका इलाज हो रहा है।' पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो देसी पिस्तौल बरामद की।

केजरीवाल के खिलाफ जनता के धन का दुरुपयोग करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज : पुलिस ने अदालत में कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यहां एक अदालत को बताया कि उसने राष्ट्रीय राजधानी में 2019 में बड़े होर्डिंग लगाकर जनता के धन का कथित तौर पर दुरुपयोग करने के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल के समक्ष दायर अपनी अनुपालन रिपोर्ट में यह बात कही। न्यायाधीश ने 11 मार्च को पुलिस को एक शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था, जिसमें संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच के लिए समय मांगा जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 18 अप्रैल को नियत की है। केजरीवाल के अलावा, अदालत ने पूर्व विधायक गुलाब सिंह और द्वारका की तत्कालीन पार्षद नितिका शर्मा के खिलाफ ''बड़े आकार के'' बैनर लगाने के लिए प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। साल 2019 में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया था कि केजरीवाल, मटियाला से तत्कालीन विधायक गुलाब सिंह (आम आदमी पार्टी) और द्वारका ए वार्ड की तत्कालीन पार्षद नितिका शर्मा ने क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर ''बड़े आकार के होर्डिंग्स लगाकर जानबूझकर जनता के धन का दुरुपयोग किया''।

रेखा गुप्ता ने 2021-23 की अवधि के वित्त, विनियोग लेखों को विधानसभा में रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधान सभा के बजट सत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्ष 2021-2022 और 2022-2023 के लिए सरकार के वित्त लेखों और विनियोग लेखों को सदन के समक्ष रखा है।

श्रीमती गुप्ता ने संबंधित दस्तावेजों को सदन पटल पर प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछली सरकार ने इन महत्वपूर्ण लेखों को सदन में पेश करने की जिम्मेदारी नहीं निभायी थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ÷मैं इस अवसर पर सभी सदस्यों, विशेषकर नए सदस्यों को यह बताना चाहूंगी कि दिल्ली सरकार की वित्तीय दशा को समझने के लिए यह रिपोर्ट भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। वित्त और विनियोग लेखों की भी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा सावधानीपूर्वक जांच की जाती है और ऑडिट किया जाता है और फिर इनको सदन में प्रस्तुत किया जाता है।÷

मुख्यमंत्री ने सदन के सदस्यों से अनुरोध है कि वे इनको ध्यान से पढ़ें। उन्होंने कहा कि दूसरी रिपोर्टों की तरह इन रिपोर्टों को भी पिछली सरकार द्वारा दबा दिया गया था और विधानसभा के समक्ष नहीं लाया गया था। उन्होंने कहा, ÷मैं इस संबंध में कैग की टिप्पणियों का संक्षेप में उल्लेख करना चाहूंगी।÷

श्रीमती गुप्ता ने वर्ष 2021-2022 के विनियोग खाते में कैग ने बताया है कि कुल 10539 करोड़ रुपये की बचत थी, जिसमें से 5458 करोड़ रुपये समयाविधि रहते व्यय न होने के कारण कालातीत (लैप्स) हो गए। इसी तरह वर्ष 2022-2023 में कुल 14115.71 करोड़ की बचत हुई, जिसमें से 7557.47 करोड़ रुपये देरी के कारण लैप्स हो गए थे।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार द्वारा उचित योजना बनाई जाती और सही क्रियान्वयन किया जाता तो इस धनराशि का इस्तेमाल दिल्ली के लोगों की कल्याण के लिए किया जा सकता था।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2021-2022 के वित्त खाते में कैग ने पाया है कि सरकारी विभागों द्वारा व्यय बिल जमा न करने के कारण 432.42 करोड़ रुपये की राशि बकाया पड़ी रह गयी थी। इसका मतलब यह है कि इसकी पुष्टि करने का कोई तरीका नहीं था कि विधानसभा की स्वीकृति के अनुसार राशि वास्तव में खर्च की गई थी या नहीं। वर्ष 2022-2023 में यह राशि 574.89 करोड़ रुपये थी। कैग ने, 31 मार्च, 2023 तक 9314.85 करोड़ की राशि के उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करने पर भी चिंता जाहिर की है, जिससे फंड के दुरुपयोग का गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा कि हमारे नियमों में प्रावधान है, इन खातों की जांच लोक लेखा समिति द्वारा की जाएगी। विधानसभा और लोक लेखा समिति की जांच से हमारे वितीय खातों का उचित लेखा-जोखा सुनिश्चित होगा और यह सुनिश्चित हो सकेगा कि सरकारी धन का दुरुपयोग न हो।

8 तारीख से आतिशी बेहद खुश हैं, हमारी सरकार सभी विधानसभाओं का रखेगी ध्यान : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 28 मार्च (वेब वार्ता)। दिल्ली विधानसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों द्वारा किए जा रहे हंगामे के बीच, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष आतिशी पर निशाना साधा।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि आतिशी 8 तारीख से ही बहुत खुश हैं। वह शाम को बहुत खुश थीं, इस बात का जश्न मना रही थीं कि उनकी सरकार हारी, अरविंद केजरीवाल हारे, मनीष सिसोदिया हारे और वह डांस कर रही थीं। सिर्फ आतिशी ही नहीं, इनके जीते हुए सारे विधायक खुश हैं कि केजरीवाल चुनाव में हार गए, क्योंकि, उन्हें पता है कि वह बिना किसी रोक-टोक के सदन में सवाल उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार सिर्फ 48 विधायकों का ही ख्याल नहीं रखेगी बल्कि सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों की जिम्मेदारी लेगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे निर्वाचन क्षेत्र आपस में जुड़े हुए हैं। हम यह 22 विधानसभा को अलग नहीं देख सकते हैं। पानी-सीवर का काम होगा तो सभी 70 विधानसभा में होगा, सिर्फ 48 विधानसभा में नहीं होगा।

दूसरी ओर, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी दस साल तक सत्ता में रही, फिर भी वे हमें ज्ञान दे रहे हैं कि सदन को कैसे आगे बढ़ाना है, इस पर व्याख्यान देने की कोशिश करते हैं। लेकिन, मुझे विपक्ष की नेता आतिशी के रवैये को देखकर अफसोस होता है कि जो कभी मुख्यमंत्री थीं, सदन में उनका बचकाना व्यवहार निराशाजनक है। इस तरह की अपरिपक्व हरकतें, हंसी-मजाक करना, गैर-पेशेवर तरीके से ताली बजाना, इस सदन की गरिमा का अपमान है। ऐसे व्यक्तियों का हमारे सामने बैठना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह एक गंभीर सदन है, जहां चर्चा दिल्ली के लोगों के सामने आने वाले मुद्दों और उनके समाधान पर केंद्रित होनी चाहिए। लेकिन, 'आप' के विधायक हंसी-मजाक में अपना समय निकाल रहे हैं। उन्हें दिल्ली की जनता और उनके मुद्दों से कुछ भी लेना-देना नहीं है।

'आप' ने डीटीसी में किया घोटाला, कानूनी कार्रवाई के लिए स्पीकर कैग रिपोर्ट को पीएसी में भेजें: आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार पर डीटीसी (दिल्ली परिवहन निगम) घोटाले को लेकर जोरदार निशाना साधा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में डीटीसी घोटाला किया। इसलिए, विधानसभा स्पीकर कैग रिपोर्ट को पीएसी में भेजें ताकि इन सब पर कानूनी कार्रवाई हो सके। सदन में नेता प्रतिपक्ष आतिशी पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने एक कविता पढ़ी : 'सच्चाई सफलता का द्वार होती है, हर झूठ के सिर पर कटार होती है। संसार का इतिहास स्वयं है साक्षी, कि अन्याय की आखिर में हार होती है।'

उन्होंने कहा कि सरकार डीटीसी की स्थिति को बेहतर करने का काम करेगी। घाटे में चल रही

डीटीसी सरकार के राजस्व में योगदान देगी, जिससे दिल्ली के लोगों को अच्छी सुविधा मिल सकेगी। 'फ्री' बस यात्रा के नाम पर जो अब तक पूर्व की सरकार भ्रष्टाचार करती थी, अब हम महिलाओं को बस में सफर करने के लिए कार्ड मुहैया कराएंगे। इस कार्ड के माध्यम से वे किसी भी बस में आरामदायक सफर का आनंद उठा सकेंगी। बस बदलने के दौरान उन्हें हर बार पिंक टिकट लेने की जरूरत नहीं होगी। इससे जवाबदेही तय होगी। आज दिल्ली की जनता यह नहीं जानती है कि कितनी संख्या में महिलाएं 'फ्री' बस सेवा का लाभ ले रही हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की पूर्व सरकार के घोटालों की वजह से 2015 में बसों की संख्या 4,344 थी, जो 2023 में घटकर सिर्फ 3,937 रह गई। अब इसमें और भी गिरावट आई है। अब क्या स्थिति है। हर चीज में घाटा है। ब्याज और दूसरे खर्चों की वजह से 60 करोड़ रुपये का घाटा अब बढ़कर 80 करोड़ रुपये हो गया है। ऑपरेशनल घाटा 14,000 करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2007 में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के लिए 11,000 बसें अनिवार्य की थीं, लेकिन 2023 तक यह संख्या सिर्फ 3,937 रह गई। दिल्ली की पूर्व सरकार द्वारा यह प्रयास नहीं किया गया कि लोगों की सहूलियत को देखते हुए नई बसों की खरीद की जाए। लेकिन, यह भाजपा की सरकार है, हमें डीटीसी को दोबारा पटरी पर लाना होगा और हम यह सुनिश्चित करेंगे।

महिला समृद्धि योजना को लेकर पूछा सवाल तो किया सदन से बाहर : आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को तब सदन से बाहर कर दिया गया, जब उन्होंने महिलाओं को 2,500 रुपए देने के भाजपा सरकार के वादे पर सवाल पूछा। विपक्ष की नेता आतिशी के नेतृत्व में 'आप' विधायकों ने विधानसभा परिसर में '2,500 रुपए कब आएंगे' के प्लेकार्ड के साथ जोरदार प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया।

नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली की महिलाओं से वादा किया था कि 8 मार्च तक उनके बैंक खातों में 2,500 रुपए जमा किए जाएंगे। लेकिन, 8 मार्च बीत गई और महिलाओं के बैंक खाते में एक भी रुपया नहीं आया।

आतिशी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अब यह साफ हो गया है कि भाजपा का 2,500 रुपए देने का कोई इरादा नहीं था और उन्होंने दिल्ली की महिलाओं से झूठ बोला।

उन्होंने कहा कि जब 'आप' विधायकों ने विधानसभा में इस मुद्दे पर सवाल किया कि महिलाओं को 2,500 रुपए कब मिलेंगे, तो भाजपा की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। सरकार ने इस वादे को पूरा करने की समय सीमा बताने से भी इनकार कर दिया। जब 'आप' विधायकों ने बार-बार इस मुद्दे पर जवाब मांगा, तो स्पीकर ने सभी विधायकों को सदन से निष्कासित कर दिया।

आतिशी ने कहा कि भाजपा महिलाओं को 2,500 रुपए देने के मुद्दे से भाग रही है और जनता का ध्यान भटकाने के लिए जगहों के नाम बदलने की राजनीति कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले मुस्तफाबाद का नाम बदलने की बात कही और जब मुफ्त गैस सिलेंडर देने का वादा पूरा नहीं कर पाएगी, तो किसी और सड़क का नाम बदलने की बात करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिल्ली की जनता से कई बड़े वादे किए थे, 2,500 रुपए, मुफ्त गैस सिलेंडर, 50 हजार नौकरियां और पुजारियों के लिए 20 हजार रुपए का मानदेय, लेकिन इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया। आम आदमी पार्टी जिम्मेदार विपक्ष के रूप में भाजपा को उसके वादे याद दिलाती रहेगी और जब तक दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपए नहीं मिल जाते, तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे।

आतिशी ने कहा कि भाजपा सरकार जवाबदेही से बच नहीं सकती और आम आदमी पार्टी दिल्ली की जनता के हक की लड़ाई जारी रखेगी।

भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान ने दिल्ली क्रिएटिव आर्टिस्ट्स समिट का आयोजन

नई दिल्ली/ भव्य खबर। डॉ. टेरेंस लुईस और हनीफ शेख शामिल हुए भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान (आईआईसीएस), एनएसडीसी अकादमी से संबद्ध एक संस्था है, जो कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में मीडिया एवं मनोरंजन कौशल परिषद (एमईएससी, एनएसडीसी द्वारा वित्तपोषित) द्वारा संचालित है, जो हाल ही में आयोजित दिल्ली क्रिएटर्स समिट की सफलता के बाद उद्योग जगत के नेताओं और महत्वाकांक्षी कलाकारों को सहयोगात्मक विकास और नवाचार के लिए एकजुट करने के अपने मिशन को जारी रखते हुए दिल्ली क्रिएटिव आर्टिस्ट्स समिट का आयोजन कर रहा है, जिसमें फिल्म, टेलीविजन, संगीत और मीडिया की दुनिया से अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्तित्व एक मंच पर एकत्रित हुए थे। दिल्ली क्रिएटिव आर्टिस्ट समिट 28-29 मार्च 2025 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें दो प्रतिष्ठित उद्योग अग्रणी शामिल होंगे, डॉ. टेरेंस लुईस, एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कोरियोग्राफर और नृत्य शिक्षक, और मीडिया और मनोरंजन कौशल के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य, 28 मार्च को एक इंटरैक्टिव सत्र की मेजबानी करेंगे और हनीफ शेख, एक प्रसिद्ध संगीत निर्देशक, संगीतकार और गीतकार, 29 मार्च को एक इंटरैक्टिव सत्र की मेजबानी करेंगे। इसके अतिरिक्त, श्री डिम्पी मिश्रा, विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स एंड मीडिया मैनेजमेंट, इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ क्रिएटिव स्किल्स, 29 मार्च 2025 को एक अभिनय कार्यशाला की मेजबानी भी करेंगे। ये सत्र उभरते मनोरंजन परिदृश्य में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो उपस्थित लोगों को रचनात्मक उद्योग को फिर से परिभाषित करने वाले नेताओं के साथ जुड़ने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करेंगे।शिखर सम्मेलन ने सभी इच्छुक प्रतिभागियों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं और देश के शीर्ष डिजिटल क्रिएटर्स और अभिनेताओं को रेड कार्पेट पर चलते हुए और शिखर सम्मेलन की गतिविधियों में भाग लेते हुए देखने की भी उम्मीद है। इंटरैक्टिव सत्रों के अलावा, शिखर सम्मेलन नेटवर्किंग के अवसर, कार्यशालाएँ और पैनल चर्चाएँ प्रदान करेगा, जो प्रतिभागियों को रचनात्मक उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।डॉ. मोहित सोनी [सीईओ, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट स्किल्स काउंसिल] ने कहा, "भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान में हम रचनात्मकता को बढ़ावा देने और अपने छात्रों को उद्योग के अग्रदूतों तक सीधी पहुँच प्रदान करने में विश्वास करते हैं।" "दिल्ली क्रिएटिव आर्टिस्ट्स समिट महत्वाकांक्षी कलाकारों और स्थापित पेशेवरों के बीच की खाई को पाटने के हमारे मिशन का एक प्रमाण है, एक ऐसा माहौल बनाना जहाँ ज्ञान और अनुभव को स्वतंत्र रूप से साझा किया जाता है। जल्द ही शुरू होने वाला भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान सभी के लिए खुला है ताकि वे आकर अत्याधुनिक सुविधाओं का अनुभव कर सकें। जो लोग अपने कौशल को सफलता में बदलना चाहते हैं, उनके लिए पंजीकरण खुले हैं।

भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान के बारे में:

भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान (IICS) मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक उद्योगों में अगली पीढ़ी के रचनाकारों, नेताओं और उद्यमियों को आकार देने के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान है। अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, विश्व स्तरीय उद्योग सलाहकारों और उद्योग-संरेखित कार्यक्रमों के साथ, भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान (क्कछर) यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छात्र प्रतिभा को पोषित करके और मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए पेशेवर प्रशिक्षण में नए मानक स्थापित करके आज की गतिशील दुनिया में सफल होने के लिए कौशल, ज्ञान और आत्मविश्वास से लैस हो।

हिमाचल में मंत्रियों, विधायकों, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन में 24 से 26 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल में सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने मंत्रियों, विधायकों, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन में 24 से 26 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है। बजट सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को मंत्रियों, विधायकों, स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के वेतन में वृद्धि संशोधन विधेयक सदन में पेश किया। बताया गया कि हिमाचल प्रदेश में विधायकों और मंत्रियों के वेतन व भतों में 9 साल बाद वृद्धि हुई है। वर्तमान में, प्रत्येक विधायक को 55 हजार रुपये का बेसिक वेतन और विभिन्न भत्तों के रूप में कुल 2 लाख 10 हजार रुपये मासिक दिए जाते हैं। इस राशि में 5 तरह के भत्ते भी शामिल हैं, जिसमें 20 हजार टेलीफोन भत्ते को खत्म करने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा बिजली और पानी की सब्सिडी भी विधायकों को नहीं मिलेगी। लेकिन अब बेसिक पे 55 से बढ़कर 70 हजार और ऑफिस खर्च 30 से बढ़कर 90 हजार रुपए कर दिया गया है। वेतन वृद्धि के बाद कुल मिलाकर अब हिमाचल में विधायकों को 2.10 लाख रुपए से बढ़कर 3 ।15 लाख रुपए वेतन मिलेगा। हालांकि टेलीफोन, बिजली व पानी का बिल विधायक व मंत्रियों को खुद भरना होगा। बात सीएम की सैलरी की करें तो वर्तमान में मुख्यमंत्री को 95 हजार मासिक वेतन के अलावा कुल 2 लाख 50 हजार रुपए के करीब वेतन भत्ते मिलते हैं। कैबिनेट मंत्री का वेतन 80 हजार रुपए है और कुल वेतन भत्ते 2 लाख 40 हजार के करीब हैं। इसी तरह विधायकों की कुल वेतन भत्ते 2 लाख 10 हजार है, जिसमें करीब से 1 लाख तक या अधिक के इजाफे का अनुमान है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सूक्खु का कहना है 26न से ज्यादा सैलरी में बढ़ोतरी की है, जो कि एक एडिशनल सेक्रेटरी के बराबर है। विधानसभा में ही विधायकों व मंत्रियों की सैलरी बढ़ती है, सरकार नहीं बढ़ाती। उधर सरकार के फैसले पर नेता विपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी सहमत दिखे। उनका तर्क था कि 9 साल बाद सैलरी में बढ़ोतरी हुई हैं, लेकिन सरकार ने टेलीफोन, बिजली व पानी के भत्तों में कटौती भी की है लेकिन यह सरकार का फैसला है।

मोदी सरकार की कूटनीतिक कोशिशों के चलते 11 साल में विदेश में कैद 10 हजार से ज्यादा भारतीय स्वदेश लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी सरकार की सक्रिय और लगातार कूटनीतिक कोशिशों के चलते 2014 से अब तक विभिन्?न आरोपों में विदेश में कैद 10 हजार से ज्?यादा भारतीय स्?वदेश लौटने में कामयाब रहे हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। साथ ही उन्?होंने बताया कि यूएई ने रमजान के महीने में करीब 500 भारतीय नागरिकों की सजा को माफ कर दिया है, जो भारत और खाड़ी देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को दर्शाता है।

एक अधिकारी ने बताया, 2014 से पीएम मोदी के नेतृत्व ने विदेश में भारतीय नागरिकों के कल्?याण को प्राथमिकता दी है। कूटनीतिक वार्ता और उच्चस्तरीय हस्तक्षेप के जरिए विदेश में कैद करीब 10 हजार भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई है।

राजनयिक प्रयासों से भारतीय नागरिकों की रिहाई के प्रमुख उदाहरणों में 2022 से यूएई से 2,783 भारतीय कैदियों की रिहाई और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान द्वारा 2019 में अपनी भारत यात्रा के दौरान 850 भारतीय कैदियों की रिहाई का आदेश देना शामिल है।

सूत्रों ने बताया कि कतर द्वारा 2023 में मौत की सजा मिलने के बाद भारतीय नौसेना के दिग्गजों को रिहा करना महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। उनमें से आठ को मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि भारत के राजनयिक हस्तक्षेप के कारण उनकी सजा कम कर दी गई और फिर उनमें से अधिकांश को रिहा कर दिया गया था। ईरान ने 2024 में 77 भारतीय नागरिकों और 2023 में 12 मछुआरों सहित 43 को रिहा किया था।

बहरीन सरकार ने 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान 250 भारतीय कैदियों की सजा को माफ कर दिया था।

कुवैत के अमीर ने 2017 में राजनयिक वार्ता के बाद 22 भारतीयों को रिहा किया और 97 अन्य की सजा कम कर दी गई थी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत के हस्तक्षेप के कारण श्रीलंका ने भारतीय मछुआरों को कई बार रिहा किया है और 2014 से अब तक 3,697 की रिहाई हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक कूटनीतिक प्रयासों के कारण पाकिस्तान से 2,639 मछुआरों और 71 नागरिकों की रिहाई संभव हो सकी है। अधिकारियों ने कहा कि इनमें से बहुत सी सफलताएं वैश्विक नेताओं के साथ पीएम मोदी के व्यक्तिगत संबंधों के कारण संभव हो पाई हैं। एक अधिकारी ने कहा, यह सफल हस्तक्षेप भारत की बढ़ती वैश्विक कूटनीतिक हैसियत और विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फर्जी रजिस्ट्री वाले प्लॉटों पर तन गईं इमारतें

अब तक 126 मामले सामने आए, नक्शा पास करने पर भी सवाल

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फर्जी रजिस्ट्री वाले प्लॉटों पर इमारतों के निर्माण का मामला गरमा गया है। एसटीएफ के हत्थे चढ़े जालसाज फर्जी रजिस्ट्री के लिए एलडीए की कॉलोनियों में ऐसे प्लॉट तलाशते थे, जिनके मालिक बरसों से निष्क्रिय थे। फिर ये जालसाज फर्जी कागजात बनाकर नकली मालिक की जगह किसी और खड़ा कर देते और रजिस्ट्री करवा लेते। एनबीटी टीम ने शुक्रवार को विशेष खंड दो, वास्तु खंड तीन और विनम्र खंड एक में फर्जी तरीके से बेचे गए प्लॉटों की मौके पर पड़ताल की तो कई दो से तीन मंजिला मकान बने मिले। ऐसे में इन मकानों का नक्शा पास होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा कई प्लॉट अब भी खाली पड़े हैं।

विशेष खंड: प्लॉट नंबर 2/63 और 2/73 आमने-सामने हैं। प्लॉट नंबर 2/63 पर दो मंजिला बिल्डिंग बन चुकी है और कमर्शल इस्तेमाल हो रहा है। वहीं सामने स्थित प्लॉट नंबर 2/73 पर एक झोपड़ी बनी है। इलाके में ही स्थित प्लॉट नंबर 2/88 पर तीन मंजिला आलीशान इमारत बन चुकी है और परिवार रह रहा है।

वास्तु खंड: प्लॉट नंबर 3/560 दो मंजिला, प्लॉट 3/583 पर तीन मंजिला बिल्डिंग बन चुकी है। फर्जी दस्तावेजों से बेचे गए दोनों प्लॉटों पर निर्माण होने के साथ ही लोग रह रहे हैं। जबकि प्लॉट नंबर 3/645 और 3/663 फिलहाल खाली पड़े हैं।

विनम्र खंड: प्लॉट संख्या 1/275 पर दो मंजिला बिल्डिंग बन चुकी है और लोग रह रहे हैं। कुछ ही दूरी पर स्थित प्लॉट नंबर 1/266 पर भी दो मंजिला मकान बना है, जो फिलहाल बंद है।

एसटीएफ की जांच में फर्जी रजिस्ट्री के जरिए बेचे गए 46 और प्लॉटों की जानकारी सामने आई है। इस तरह जालसाजों के गिरोह की ओर से फर्जी ढंग से बेचे गए प्लॉटों की तादाद 126 हो गई है। एसटीएफ इन सभी प्लॉटों से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है। इसके साथ गिरोह में शामिल दो अन्य सदस्यों को भी तलाश रही है।

अब तक 126 केस आए सामने

एसटीएफ ने फर्जी दस्तावेज बनाकर प्लॉट बेचने वाले गिरोह के छह जालसाजों को गुरुवार को गिरफ्तार किया था। इन आरोपितों के पास 23 प्लॉटों के फर्जी दस्तावेज बरामद हुए थे। छानबीन में आरोपितों की गाड़ियों से 46 और प्लॉटों के दस्तावेज मिले। एसटीएफ के डीएसपी दीपक सिंह ने बताया कि अब तक 126 प्लॉटों की रजिस्ट्री के कागजात मिले हैं। इसके साथ आरोपितों से पूछताछ में पता चला है कि गिरोह में सिंकू सिंह और सुनील मिश्रा भी शामिल थे, जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। एसटीएफ ने आरोपितों के पास से बरामद कागजात का ब्योरा एलडीए को भेजकर पूछा है कि कौन सी फाइल किस बाबू के पास थी। इसके बाद संबंधित बाबुओं से पूछताछ की जाएगी। पता लगाया जाएगा कि फाइल उनकी कस्टडी में होने के बावजूद ब्योरा जालसाजों के पास कैसे पहुंचा? माना जा रहा है कि जांच में एलडीए के कई बाबू भी नप सकते हैं। जांच में सामने आया है कि जालसाज एलडीए के दस्तावेज से प्लॉट मालिक के आधार और पैन की कॉपी हासिल कर लेते थे। इसके बाद मुकेश मौर्य और राम बहादुर स्कैनर की मदद से मैट पेपर पर फर्जी आधार तैयार करते थे। इसके लिए एलआरएस ग्लॉसी पेपर इस्तेमाल होता था।

लखनऊ में फर्जी रजिस्ट्री वाले प्लॉट्स पर इमारतों के निर्माण का मामला सामने आया है। अब तक इस प्रकार के 126 केस सामने आए हैं। इसके बाद नक्शा पास किया जाना भी सवालों के घेरे में आ गया है। संपत्ति विभाग के बाबू इस मामले में जांच के दायरे में आ रहे हैं।

एलडीए अधिकारी ने क्या कहा?

एलडीए अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है। पूरे मामले की जांच करवाई जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। फजीर्वाड़ा रोकने के लिए एलडीए अब खाली प्लॉटों का सर्वे कराएगा। इसके साथ आवंटियों की रजिस्ट्री करवाने और कब्जा देने के लिए अभियान भी चलाया जाएगा। बड़ी संख्या में प्लॉटों की फर्जी रजिस्ट्री के खुलासे के बाद एलडीए वीसी ने शुक्रवार को अफसरों के साथ बैठक में ये निर्देश दिए। वीसी ने बताया कि रजिस्ट्री में फजीर्वाड़े पर लगाम के लिए एसओपी जारी की जाएगी। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि मुख्यालय में संदिग्धों की एंट्री रोकने के लिए एंट्री गेट पर सबका ब्योरा दर्ज किया जाएगा और पास जारी किया जाएगा। यह पास निश्चित समय और दी गई जानकारी के अनुसार निर्धारित पटल के लिए मान्य होगा। इसके अलावा विभागीय कार्य के संबंध में आने वाले ठेकेदारों, अधिवक्ताओं और ऑर्किटेक्टों के लिए विभागाध्यक्ष स्तर से पास जारी होगा।

पोर्टल पर सुरक्षित होगा डेटा

एलडीए के पुराने पोर्टल में तकनीकी खामियों के चलते डेटा सुरक्षित करने के लिए नया सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा नई टेक्नॉलजी पर संचालित ईआरपी प्लानिंग, संपत्ति, अभियंत्रण, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन, अभिलेखागार, अनुरक्षण, विधि व जनसूचना अनुभागों के मॉड्यूल विकसित किए जा रहे हैं। एलडीए के संपत्ति अधिकारी के अनुसार किसी योजना में प्लॉट खरीदने से पहले पूरी जानकारी ली जा सकती है। इसके लिए एलडीए के प्रॉपर्टी सेल से प्लॉट का पूरा ब्योरा लेकर जालसाज से बचा जा सकता है।

रेडार पर संपत्ति विभाग के आठ बाबू

फर्जी दस्तावेज से प्लॉट बेचने वाले गिरोह को एलडीए के कर्मचारी ही जानकारी मुहैया करवाते थे। इस मिलीभगत में शामिल कर्मचारियों का पता लगाने के लिए एसटीएफ ने एलडीए से संपत्ति विभाग में तैनात कर्मचारियों का ब्योरा मांगा है। इसके बाद संपत्ति विभाग में बीते दस साल के दौरान तैनात रहे कर्मचारियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में संपत्ति विभाग में लंबे समय से तैनात आठ बाबू एलडीए और एसटीएफ के रेडार पर हैं। एसटीएफ की अब तक की जांच में सामने आया है कि एलडीए कर्मचारियों ने करीब 30 प्लॉटों की फाइलें जालसाजों को मुहैया करवाई थीं। कई प्लॉटों के मूल दस्तावेज रजिस्ट्री ऑफिस से निकाले गए थे। ऐसे में एसटीएफ की टीम एलडीए के संपत्ति विभाग में मूल दस्तावेज भी चेक करेगी। इसके साथ ही बीते दस साल में रिटायर हुए कर्मचारियों से भी पूछताछ की तैयारी है। इस मामले में एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार का कहना है कि फजीर्वाड़े में मिलीभगत की पुष्टि होने पर संबंधित कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। एसटीएफ की जांच में भी पूरा सहयोग किया जाएगा। वर्ष 2017 में प्रॉपर्टी सेल में तैनात बाबू सुरेंद्र मोहन ने अचानक वीआरएस ले लिया था। वह लंबे समय तक संपत्ति विभाग में तैनात रहा था। वर्ष 2012 से 2017 तक एलडीए में फर्जी रजिस्ट्री के कई खेल सामने आए थे। तब भी सुरेंद्र मोहन शक के दायरे में आया था। अब इन सभी पुराने मामलों की फाइलें भी खंगाली जा रही हैं।

पूर्व एमएलसी पर भी कस सकता है शिकंजा

फरवरी में आईएएस ब्रजेश बीएन सिंह के प्लॉट पर कब्जा कर इसे फर्जी तरीके से बेचने का मामला सामने आया था। उन्होंने सपा नेता उदयवीर सिंह समेत कुछ अन्य लोगों पर प्लॉट कब्जाने की कोशिश का आरोप लगाया था। इस मामले में तीन नामजद समेत एलडीए के अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ गोमतीनगर थाने में केस दर्ज करवाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, मामला आईएएस से जुड़ा होने के कारण एसटीएफ गुपचुप तौर पर इसकी जांच कर रही थी। इस मामले में नामजद अविनाश सिंह और शक्ति सिंह के फोन ट्रैक करने पर फजीर्वाड़े में शामिल दूसरे लोगों के नाम भी सामने आए थे। इसके बाद एसटीएफ ने गुरुवार को गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया। अब एसटीएफ की नजर नामजद आरोपितों पर भी है। ऐसे में एमएलसी रहे उदयवीर सिंह से भी पूछताछ हो सकती है।

संक्षिप्त डायरी

शांति और सद्भाव के लिए निकला ऐतिहासिक जुलूस-ए-मद-हे-सहाबा, वक्फ बिल के विरोध में काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

सुलतानपुर/ भव्य खबर । रमजानुल मुबारक के महीने के आखिरी जुमा को फतह मक्का की याद में सुलतानपुर में ऐतिहासिक जुलूस-ए-मद-हे-सहाबा हर साल की तरह बिबिया मस्जिद चौक से शांति और सद्भावना के साथ निकाला गया। इस जुलूस की शुरूआत 75 साल पहले मौलाना अब्दुल अव्वल फारूकी द्वारा की गई थी, और तब से यह जुलूस बिना किसी रुकावट के हर साल अलविदा जुमा के बाद निकाला जाता है। इस साल जुलूस में वक्फ बोर्ड बिल के विरोध में भी लोगों ने काली पट्टी बांध रखी थी, जिससे उनके विरोध की आवाज भी साफ सुनाई दी। जुलूस की अगुवाई मौलाना मोहम्मद कसीम कासमी, मौलाना मोहम्मद उस्मान कासमी और मौलाना मताहरुस्सालाम कासमी की कयादत में की गई। यह जुलूस बिबिया मस्जिद से शुरू होकर शाहगंज चौराहा, डाकखाना चौराहा, गंदा नाला रोड, आगरा मिष्ठान, चौक घण्टा घर, चित्रा स्टूडियो गली, मतीन रोड और अन्नू चौराहा होते हुए खैराबाद स्थित जामिया इस्लामिया मदरसा पर समाप्त हुआ। जुलूस के दौरान फतह मक्का का तजकिरा किया गया और हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम की शान में नात पाक पढ़े गए, साथ ही सहाबा रजी अल्लाह अन्हु के शान में मनकबत के भी मिसरे पेश किए गए। नातिया कलाम पेश करने वालों में अंजुमने, मौलाना, नात ख्वा और शायर आदि शामिल थे। सभी जगहों पर पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी थी ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इस मौके पर शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों जैसे जावेद अहमद, अफतार अहमद, अरबाब अहमद समेत हजारों लोग मौजूद रहे। जुलूस ने शहर में धार्मिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

सड़क दुर्घटना में दिवंगत सपा नेता के परिवार से मिले सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, श्रद्धांजलि अर्पित कर दी आर्थिक मदद

चांदा/सुलतानपुर/ भव्य खबर । 22 मार्च को सड़क दुर्घटना में सपा के समर्पित नेता अमरजीत यादव का असमय निधन हो गया था। उनकी आकस्मिक मृत्यु ने परिवार को गहरा दुख दिया, क्योंकि उन्होंने अपने पिता और बड़े भाई को पहले ही खो दिया था। अब परिवार की जिम्मेदारी अकेले उनके कंधों पर थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस दुख की घड़ी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक अनूप संडा, साथ ही लंभुआ विधानसभा के वरिष्ठ सपा नेता जितेंद्र वर्मा उर्फ बाजीगर, शोक संतृप्त परिवार के पास पहुंचे। दोनों नेताओं ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी।सपा नेताओं ने परिवार को ढांढस बंधाया और उन्हें भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके साथ है। उन्होंने आगे कहा कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मदद दिलवाने के लिए भी प्रयास करेंगे। मौके पर सपा कार्यकर्ता भजन यादव, सूरज वर्मा, राजेश वर्मा, महेंद्र यादव, हरीश यादव, वंशराज यादव, धर्मराज त्यागी, रहतीपुर प्रधान अमरनाथ यादव, कुलदीप वर्मा, विनोद वर्मा, हरिओम वर्मा, पूर्व प्रधान दिलीप वर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। सपा का यह कदम न केवल शोकाकुल परिवार के लिए संजीवनी साबित हुआ, बल्कि यह दशार्ता है कि सपा परिवार हमेशा अपने नेताओं और कार्यकताओं के साथ खड़ा है।

"अलविदा जुमा" कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिदों में नमाज, देश की खुशहाली की मांगी दुआ

सुलतानपुर/ भव्य खबर । रमजान के आखिरी जुमा को सुलतानपुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलविदा की नमाज अदा की गई। इस खास मौके पर मस्जिदों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही, जबकि सड़कों पर नमाज की रोक के कारण अधिकतर मस्जिदों में दो पालियों में नमाज का आयोजन किया गया। शहर की प्रमुख मस्जिदों में से एक, जामा मस्जिद में मौलाना अब्दुल लतीफ ने रोजेदारों को नमाज अदा कराई। नमाज के बाद, सभी नमाजियों ने देश की खुशहाली, शांति और अमन-चैन की दुआ की। इसके अलावा, मरकज मस्जिद में मौलाना मोहम्मद उस्मान कासमी और जामिया इस्लामिया में मौलाना मोहम्मद ओसामा कासमी ने भी नमाज पढ़ाई। बिबिया मस्जिद, मस्जिदे बिलाल और अन्य प्रमुख मस्जिदों में भी अलग-अलग इमामों ने नमाज अदा कराई। धार्मिक नेताओं ने अपने संबोधन में विशेष रूप से शिक्षा पर जोर दिया और कहा कि आज के कंप्यूटर युग में युवाओं के लिए शिक्षा को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है, क्योंकि समाज के विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के तहत प्रशासन ने पूरे जिले को 5 जोन और 19 सेक्टरों में बांटकर, वहां कड़ी निगरानी रखी। एक प्लाटून और डेढ़ सेक्शन पीएसी के साथ 50 इंस्पेक्टर, 200 सब इंस्पेक्टर और 450 हेड कांस्टेबल-कांस्टेबल तैनात किए गए। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पुलिस मार्च करती रही ताकि शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके। यह अलविदा जुमा शांति, भाईचारे और एकता का प्रतीक बना, जहां मुस्लिम समुदाय ने देश और समाज की खुशहाली के लिए दुआ की।

बेरी इन्दपुरी मोरम खण्ड 10/6 के बेखौफ संचालक गौरी सिंह नदी की जलधारा में प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से अवैध खनन कर लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना

हमीरपुर/ भव्य खबर । प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और खननिदेशक माला श्रीवास्तव की रोक के बावजूद हमीरपुर के बेरी इन्दुपरी कंवर इंटर प्राईजेज मोरम खण्ड10/6 के बेखौफ संचालक गौरी सिंह और इनके गुर्गे प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से नदी की जलधारा में मोरम का अवैध खनन करने के साथ ही खण्ड में आने वाले ट्रकों में ओवर लोडिंगऔर अवैध परिवहन कर को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना, वही हमीरपुर खनिज अधिकारी विकास परमार इन मोरम माफियाओं के आगे नतमस्तक नजर आ रहे हैं। जबकि मोरम के इस अवैध खनन, ओवरलोडिंग सहित अवैध परिवहन की खबर न छापने के नाम पर हमीरपुर नगर के हाथी दरवाजा स्थित मकानसे खण्ड संचालक गौरी सिंह और उनके मुनीम लाईन लगाकरएक हजार से पन्द्रह सौ रुपए जिम्मेदारों को देकर खबर न छापने के लिये मैनेज करने का कर रहे हैं दावा।

उत्तराखण्ड में जल स्रोतों के संरक्षण में मददगार बनेगा भगीरथ एप : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। उत्तराखंड में जल संरक्षण को लेकर एक सराहनीय पहल की गई है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून स्थित मुख्य सेवक सदन में जल संरक्षण अभियान 2025 की शुरूआत की. इस अवसर पर उन्होंने धारा मेरा-नौला मेरा, गांव मेरा-प्रयास मेरा थीम पर आधारित इस अभियान का शुभारंभ किया और एक महत्वपूर्ण मोबाइल एप भागीरथ को लॉन्च किया. मुख्यमंत्री धामी ने इस दौरान कहा कि जल ही जीवन है और इसके संरक्षण के बिना भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती. राज्य सरकार ने प्रदेश के परंपरागत जल स्रोतों, धाराओं और नौलों के संरक्षण के लिए स्प्रिंग एंड रिवर रिवाइव अथॉरिटी का गठन किया है. स्प्रिंग एंड रिवर रिवाइव अथॉरिटी ने पिछले वर्ष करीब 6500 जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए ठोस कदम उठाए हैं. इसके साथ ही लगभग 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल को संरक्षित करने में सफलता हासिल की गई है. सीएम धामी ने जानकारी देते हुए आगे कहा कि मैदानी क्षेत्रों में भू-जल रिचार्ज के लिए केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के साथ मिलकर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं. इसके अलावा नयार, सौंग, उत्तरवाहिनी शिप्रा और गौड़ी नदियों के पुनर्जीवन के लिए ।।IT रुड़की और ठक्कर रुड़की के सहयोग से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है.मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की है कि जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाएं ताकि उत्तराखंड की नदियों, नौलों और धाराओं को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जा सके.

100 ताकतवर भारतीयों की लिस्ट में सीएम धामी 32वें स्थान पर

देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। प्रतिष्ठित समाचार पत्र इंडियन एक्सप्रेस की ओर से जारी 100 सर्वाधिक ताकतवर भारतीय हस्तियों की लिस्ट में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 32वीं रैंक हासिल हुई है। इस लिस्ट में मुख्यमंत्री धामी पिछले साल 61वें स्थान पर थे। इंडियन एक्सप्रेस ने सीएम पुष्कर सिंह धामी की शानदार रैंकिंग के लिए उनके पिछले एक साल के कार्यकाल को आधार बनाया है। जिसमें उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू किए जाने को सबसे महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। अखबार के मुताबिक उत्तराखंड समान नागरिक संहिता अन्य राज्यों के लिए ब्ल्यू प्रिंट की तरह काम कर रही है। इसके बाद गुजरात ने भी अपने यहां समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए कमेटी का गठन कर लिया है। राजनैतिक स्थिरता झ इंडियन एक्सप्रेस ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राज्य में राजनैतिक स्थिरता कायम करने का भी श्रेय दिया है। अखबार के मुताबिक उत्तराखंड में 2017 से 2022 के बीच तीन- तीन मुख्यमंत्री बने, लेकिन अब पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में राजनैतिक स्थिरता लौट आई ह । अखबार ने राष्ट्रीय खेलों के जरिए उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व की तारीफ की है। अखबार ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कामकाज का मूल्यांकन करते हुए कहा है कि, उनके नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा चुनाव और स्थानीय निकाय चुनावों में शानदार सफलता हासिल की है। अब उनका लक्ष्य 2027 विधानसभा चुनाव है।

योगी सरकार: 8 साल बेमिसाल

सीएम योगी के नेतृत्व में संकल्प परियोजना से 63000 छात्रों को मिला कौशल प्रशिक्षण,10000महिला प्रशिक्षणार्थियों को मिली निर्भया किट, 2200 दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण और रोजगार

लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। लखनऊ/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 8 वर्षों में प्रदेश में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। इस दौरान संकल्प परियोजना (आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता) ने युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत सरकार और विश्व बैंक के वित्तीय सहयोग से संचालित इस परियोजना ने प्रदेश में न केवल कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक और समावेशी बनाया, बल्कि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। बीते आठ वर्षों में योगी सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के तहत संकल्प परियोजना ने उत्तर प्रदेश को कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाया है, जो युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुई है। संकल्प परियोजना ने योगी सरकार के 8 वर्षों में युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन को नई दिशा दी है। यह परियोजना न केवल युवाओं को रोजगार के लिए तैयार कर रही है, बल्कि वंचित समुदायों को सशक्त बनाकर सामाजिक समावेशन को बढ़ावा दे रही है। डिजिटल शिक्षा, औपचारिक शिक्षा से तालमेल, और आधुनिक तकनीक पर जोर देकर संकल्प परियोजना ने उत्तर प्रदेश को कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाया है।

संकल्प परियोजना के क्रियान्वयन से स्किल ईको सिस्टम में आया क्रांतिकारी बदलाव

प्रदेश के स्किल ईको सिस्टम में गुणात्मक सुधार लाने और युवाओं को रोजगार के लिए सक्षम बनाने के लिए संकल्प परियोजना के तहत वर्ष 2019-20 में भारत सरकार से 74.48 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट स्वीकृत कराया गया। इसके लिए कई नवाचारी और संस्थागत हस्तक्षेप किए गए, जिसमें जिला कौशल विकास योजना (डीएसडीपी) की तैयारी, क्षेत्रीय स्तर पर कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकताओं और रोजगार संभावनाओं के आधार पर प्रशिक्षण योजनाओं का संचालन, कौशल प्रतियोगिताओं और रोजगार मेलों का आयोजन को प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। पहली बार जिला कौशल समिति के माध्यम से डीएसडीपी का निर्माण कराया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करते हैं। वर्ष 2021-22 में डीएसडीपी की सिफारिशों के आधार पर लक्ष्य आवंटन सुनिश्चित किया गया, जिससे क्षेत्रीय सहभागिता के साथ कौशल प्रशिक्षण को अधिक व्यावहारिक बनाया गया है।

उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देकर युवाओं और महिलाओं का किया गया सशक्तीकरण

उत्तर प्रदेश में संकल्प परियोजना द्वारा युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इन्टरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के माध्यम से अभिमुखीकरण कार्यक्रम संचालित किए गए। इसके तहत जनपद गोरखपुर में 1,475 युवा उद्यमियों और उत्साही युवाओं को लाभान्वित किया गया। स्वरोजगार की संकल्पना को साकार करने के लिए आरडीटी मॉडल के आधार पर अनुसूचित जाति/जनजाति की 660 महिलाओं को मीडिया एंड एंटरटेनमेंट सेक्टर में प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रयासों ने न केवल युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया, बल्कि वंचित समुदायों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पहल को युवा शक्ति के सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य हर युवा को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे न केवल नौकरी पाएं, बल्कि नौकरी देने वाले भी बनें।

यूपी में डिजिटल और औपचारिक शिक्षा से जोड़ा गया कौशल प्रशिक्षण

योगी सरकार ने संकल्प परियोजना के जरिए कौशल प्रशिक्षण को डिजिटल और औपचारिक शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश के युवाओं को किसी भी समय और स्थान पर निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण की सुविधा देने के लिए एनसीवीईटी द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों के डिजिटल संस्करण लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाले 63,000 छात्र-छात्राओं को उनके नियमित पाठ्यक्रम के साथ निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही, इंजीनियरिंग कॉलेजों को प्रशिक्षण प्रदाताओं के रूप में अनुबंधित कर उनकी अवस्थापना और फैकल्टी का उपयोग सुनिश्चित किया गया, ताकि उच्च स्तरीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। संकल्प परियोजना ने समाज के उपेक्षित वर्गों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। महिला संरक्षण गृह की संवासिनियों, किशोर सुधार गृह के किशोरों और कारागार बंदियों को आजीविका के लिए सक्षम बनाने के लिए 2,958 व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया। दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए, जिसमें 2,200 दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा गया। इसके साथ ही, 10,000 महिला प्रशिक्षणार्थियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण और निर्भया किट प्रदान की गई। प्रशिक्षणार्थियों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप कैरियर चुनने में मदद के लिए कैरियर काउंसलिंग एजेंसी के माध्यम से 1,00,000 प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित किया गया। इन प्रयासों ने वंचित समुदायों को मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में सम्मानजनक बदलाव लाया।

स्किल ईको सिस्टम को आधुनिक तकनीक के अनुरूप किया सुदृढ़

आधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए आईआईटी मंडी (हिमाचल प्रदेश) में 100 छात्रों, 50 राजकीय आईटीआई अनुदेशकों और 50 विज्ञान शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और एडवांस कम्प्यूटिंग में प्रशिक्षण दिया गया। उत्तर प्रदेश आईटी-आईटीईएस नीति 2022 के तहत उद्योगों में आईटी प्रशिक्षित कर्मियों की मांग को पूरा करने के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) सहयोगी के रूप में अनुबंधित करने की गाइडलाइंस तैयार की गईं। इन कदमों ने स्किल ईको सिस्टम को आधुनिक तकनीक के अनुरूप सुदृढ़ किया और युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 7 अप्रैल को बिहार आएंगे

विधानसभा में किसान से जुड़े सवाल पर हंगामा, सहकारिता मंत्री बोले- झुकने वाला नहीं हूं

पटना। 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे, चुनाव से पहले 3 महीने में तीसरा दौरा पटनाकांग्रेस नेता राहुल गांधी 7 अप्रैल को बिहार आ रहे हैं। पटना के एसकेएम हॉल में पार्टी की ओर से आयोजित 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' में शामिल होंगे। राहुल गांधी का इस साल ये तीसरा दौरा है। इससे पहले 18 जनवरी और 5 फरवरी को पटना पहुंचे थे। संविधान सम्मेलन इन मुद्दों पर फोकस 1. स्वाधीनता संग्राम में बापू के नमक सत्याग्रह आंदोलन का ऐतिहासिक महत्व। 2. आजादी की लड़ाई में बुद्धु नोनिया की शहादत। 3. अमर शहीद प्रजापति रामचंद्र विद्यार्थी की शहादत। 4. स्वतंत्रता और समता सेनानी बाबू जगजीवन राम का ऐतिहासिक योगदान। कांग्रेस ने संविधान सुरक्षा, सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए कार्य करने वाले सभी संगठनों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील है। कांग्रेस का कहना है कि 'ऐसे संकट के समय जब संविधान पर खतरे के गिद्ध मंडरा रहे हों, न्याय योद्धा राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहे संविधान सुरक्षा आंदोलन में भागीदार बनें।'चुनावी साल में राहुल के दौरे का काफी अहम माना जा रहा है। 18 जनवरी और 5 फरवरी के बिहार दौरे के बाद प्रदेश

प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष को बदल दिया था। अब जिलाध्यक्षों की नई टीम तैयार करने के लिए स्क्रूटनी कमिटी बनाई गई है। विधानसभा चुनाव से पहले कन्हैया कुमार को भी एक्टिव कर दिया गया। 2 दिन पहले बिहार के नेताओं के साथ दिल्ली में हुई बैठक में भी राहुल

गांधी के तेवर दिखे थे। ज्यादा देर तक भाषण देकर माहौल बनाने वाले नेताओं को उन्होंने टोका भी था। मीटिंग में पिछड़ी जाति से पांच और अतिपिछड़ा से एक नेता ही मौजूद थे। इस स्थिति को ठीक करने पर भी जोर दिया था। इसका असर जिलाध्यक्षों के चयन में भी दिखेगा। सामाजिक न्याय की धारा को मजबूत करने आ रहे राहुल गांधी कांग्रेस नेता मंजीत आनंद साहु ने भास्कर से कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि राहुल गांधी विधानसभा चुनाव से पहले कई बार बिहार दौरे पर आएंगे। उनकी प्राथमिकता में बिहार कांग्रेस काफी महत्व रखता है। खास तौर से सामाजिक न्याय की धारा को मजबूत करने और संविधान बचाने की मुहिम को तेज करने के लिए आ रहे हैं। विधानसभा चुनाव की तैयारी में कांग्रेस पूरी ताकत से लग चुकी है। बिहार में कांग्रेस पर आरोप लगता रहा है कि पार्टी में लालू यादव का हस्तक्षेप है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी इससे कांग्रेस को बाहर निकालना चाहते हैं। कांग्रेस महागठबंधन में रहकर ही चुनाव लड़ेगी, लेकिन कई बातें अभी साफ होना बाकी है।

स्कार्पियो की टक्कर से किशोर की मौत

सुपौल। के पिपरा थाना क्षेत्र में एनएच-327ई पर पिपरा-सुपौल सड़क मार्ग पर निर्मली चौक के पास शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ। जहां सुपौल की ओर से तेज गति से आ रही एक स्कार्पियो ने सड़क पार कर रहे 10 वर्षीय किशोर को जोरदार टक्कर मार दी, इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मकबूल मियां के पुत्र आरीफ (10) के रूप में हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने सड़क जाम

कर मुआवजे की मांग शुरू कर दी। सड़क जाम के कारण यातायात बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना की सूचना मिलते ही पिपरा थाना अध्यक्ष राजेश कुमार झा अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लोगों को समझाने का प्रयास जारी थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं स्थानीय लोग पीड़ित परिवार को शीघ्र मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस के द्वारा लोगों को समझाकर जाम हटाने का प्रयास किया जा रहा है और मामले में शामिल वाहन और चालक की तलाश जारी है।

बक्सर में खुले में मांस बेचने पर रोक;मिलेगी नई जगह

बक्सर। नगर परिषद ने खुले में मांस बिक्री पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि नियामतुल्लाह फरीदी ने इस संबंध में महत्वपूर्ण घोषणा की है। नगर परिषद भवन के बगल में स्थित वेंडिंग जोन को मांस व्यापार के लिए निर्धारित किया जाएगा। सब्जी विक्रेताओं को किला मैदान के पीछे स्थानांतरित किया जाएगा। इससे बाजार का संचालन व्यवस्थित होगा। नगर में बढ़ते अतिक्रमण की समस्या को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जाएगा। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगी दुकानें हटाई जाएंगी। इससे यातायात

सुगम होगा और स्वच्छता बनी रहेगी। विश्वामित्र सेना के विरोध के बाद लिया गया फैसला फरीदी ने कहा कि बाजार व्यवस्थित रखना और धार्मिक नगरी बक्सर की मयार्दा बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी कारण खुले में मांस बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विश्वामित्र सेना ने हाल ही में खुले में मांस बिक्री का विरोध किया था।

भागलपुर में पुलिसकर्मी चुनकर ले गए शराब की बोतलें

भागलपुर। के पुलिस जिला नवगछिया के अनुमंडल परिसर में मिले सैकड़ों शराब की खाली बोतलों को हटाया गया है। चार पुलिस कर्मियों ने करीब 30 मिनट में बोतल को चुनकर प्लास्टिक के बोरे में भरकर उसे अनुमंडल परिसर से बाहर लाकर फेंक दिया। दरअसल, अनुमंडल कार्यालय कैंपस में शराब की खाली बोतलें पड़ी हुई थी। खबर प्रकाशित होने के पुलिस एक्शन में आई और बोतल को वहां से हटाया गया, लेकिन इस बीच पुलिस अधिकारी पत्रकारों से बातचीत करने से परहेज करते हुए नजर आए।नवगछिया में SP-SDPO कार्यालय के पास और अदालत

परिसर में भारी संख्या में शराब की बोतले मिली है। अलग-अलग ब्रांड के करीब 100 से ज्यादा शराब की खाली बोतल मिलने से हड़कंप मच गया था। जबकि यहां कोर्ट और नवगछिया SP का कार्यालय है। वहीं इससे सटे ही SDPO नवगछिया बैठते हैं। इसी कैंपस में BMP के जवान भी रहते हैं। साथ ही नवगछिया जेल भी इसी कैंपस में है।

लूट को पुलिस मोबाइल चोरी का केस बता रही

पटना के अगमकुआं में हथियार के बल पर 1.50 लाख की लूट; पीड़ित का आरोप- आवेदन बदलने को कहा

पटना। के अगमकुआं इलाके में 48 घंटे में 2 लोगों से करीब 1.50 लाख की लूट हुई है। पीड़ित का आरोप है कि शिकायत करने पर पुलिस से सहयोग नहीं मिला। थाने में लूट की जगह मोबाइल चोरी होने का आवेदन मांगा गया। पीड़ित दिवेश कुमार ने बताया की सतना एग्जाम देने गया था। वहां से गुरुवार देर रात ट्रेन से पटना जंक्शन पहुंचा। पैदल ही एलआईजी कॉलोनी स्थित अपने घर जा रहा था। रास्ते में 3 अपराधियों ने रोक लिया। कट्टा दिखाकर मोबाइल और कैश छीन लिया। थाने पर जब आवेदन देने पहुंचा तो मोबाइल चोरी होने की

बात लिखकर देने को कहा गया।वहीं, गौरीचक के बेलदारी चक निवासी संजीत कुमार ने बताया कि मंगलवार को किसी काम से औरंगाबाद गया था। वहां से आने में लेट हो गई। बुधवार सुबह 3:30 बजे पटना जंक्शन पर बुद्ध पूर्णिमा ट्रेन से पहुंचा। पैदल ही घर लौट रहा था। इस बीच हथियारबंद बदमाशों ने घेर लिया। पिस्टल सटाकर मेरा बैग छीन लिया। बैग में 5 हजार कैश, लैपटॉप, मोबाइल, घड़ी, हेडफोन रखा था। जिसकी कुल कीमत करीब 1.30 लाख है।

इस संबंध में पुलिस का पक्ष जानने के लिए थाना प्रभारी नीरज पांडेय से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। उनका मोबाइल किसी आरक्षी ने उठाया। घटना के बारे में पूछे जाने पर कहा कि ऐसी कोई बात नहीं। जांच कर लेते हैं।

पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग वहीं, इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। अपराधियों की गिरफ्तारी और इलाके में पुलिस की गश्ती बढ़ाने की मांग की है।

कांग्रेस नेता ने बीजेपी को जाहिलों की फौज बताया

पटना। बिहार कांग्रेस के सीनियर नेता शकील अहमद खान ने बीजेपी को जाहिलों की फौज कहा है। पटना में पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'इसमें टॉप टू बॉटम सिर्फ जाहिल भरे हुए हैं। इन्हें न्याय संगत काम करना नहीं आता है। इनके शासन में हर रोज बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान का गला घोंटने का काम किया जा रहा है।वहीं, प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि आज से पार्टी 'हर घर कांग्रेस का झंडा' अभियान की शुरूआत करने जा रही है। हमारे कार्यकर्ता हर घर में कांग्रेस का झंडा लगाएंगे। कांग्रेस समर्थित लोग गांव, घर, कस्बे में भी झंडा लगाएंगे। हर कांग्रेसी अपनी गाड़ी में पार्टी का झंडा लगाकर चलेंगे। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि हमारे कार्यकर्ता आजादी से लेकर

अब तक के कांग्रेस की विरासत से जुड़े रहे। सहरसा के बनगांव गांव में दुर्गा मंदिर परिसर में कन्हैया कुमार की सभा के बाद गांव के लोगों ने गंगा जल से धो दिया था। इस सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'सदियों से पक्षपात होता आ रहा है। पहले यह पक्षपात अनुसूचित जाति और जनजाति से होता था। मगर अब परशुराम के वंशज से भी हो रहा है। यह है भाजपा का कार्यकाल।' बिहार दौरे पर आएंगे राहुल गांधी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रभारी सचिव सुशील पासी ने कहा कि 7 अप्रैल को राहुल गांधी बिहार आ रहे हैं।

श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में एक्टिविस्ट को संबोधित करेंगे। महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह के आंदोलन को याद करने के लिए राहुल गांधी आ रहे हैं।

शराबियों ने पड़ोसी के घर में घुसकर महिलाओं को पीटा

जमुई। के झाझा थाना क्षेत्र के डोमायमधु गांव में दबंग पड़ोसियों ने शराब के नशे में घर में घुसकर चार महिलाओं को बेरहमी से पीटा। घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों ने घायल महिलाओं को इलाज के लिए झाझा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां घायलों की पहचान चंपा देवी, संजू देवी, अनवरवा देवी और चांदनी देवी के रूप में हुई हैं। नशे में धुत होकर किया हमला पीड़ित परिवार के मुखिया गोरेलाल ने बताया कि उनके पड़ोसी विनोद यादव कुछ अन्य लोगों के साथ नशे में धुत होकर घर में घुस आए। आरोपी ने उनकी बेटी, पत्नी, भाभी

और सास पर हमला कर दिया। घायलों को पहले झाझा रेफरल अस्पताल ले जाया गया। वहां से सभी को बेहतर इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार विनोद यादव गांव में दबंगई के लिए कुख्यात है। पीड़ित परिवार अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा पाया है। परिवार ने बताया कि इलाज के बाद वे झाझा थाने में लिखित शिकायत देंगे।

यूट्यूबर मनीष कश्यप पर FIR, भाजपा से देंगे इस्तीफा

बेतिया। यूट्यूबर और भाजपा नेता मनीष कश्यप ने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। वो आज शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देंगे। गुरुवार को मनीष ने बताया था- 'मैंने अपने यूट्यूब चैनल पर छपरा के दिघवारा थाना में महिलाओं की पिटाई की खबर प्रसारित की थी। इस खबर के बाद मेरे चैनल के खिलाफ FIR दर्ज हुई है। मैं पहले बीजेपी से इस्तीफा दूंगा। उसके बाद मेरी गिरफ्तारी हो सकती है।' मनीष कश्यप ने गुरुवार को फेसबुक लाइव आकर कहा- 'मैं अपनी गिरफ्तारी से पहले पार्टी से इस्तीफा दूंगा। इस्तीफा इसलिए दूंगा ताकि कोई ये न कहे की मनीष

कश्यप भाजपा में था तो उसके साथ पुलिस ने बर्बरता नहीं की।'बता दें छपरा के साइबर थाना में गलत और भ्रामक खबर फैलाने के आरोप में बुधवार को 11 यूट्यूबर्स पर FIR दर्ज हुई थी। जिसमें भाजपा नेता मनीष कश्यप का भी चैनल शामिल हैं। मां के कहने पर जुड़े थे BJP से मनीष कश्यप पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हुए थे। उन्हें दिल्ली में पार्टी की सदस्यता दी गई थी। सदस्यता लेने के बाद जेपी नड्डा और नरेंद्र मोदी से मनीष कश्यप ने मुलाकात की थी। बीजेपी में शामिल होने के बाद मनीष कश्यप ने कहा था कि अपनी मां के कहने पर मैंने ये फैसला लिया है। मनीष का कहना था कि मेरी विचारधारा भारतीय जनता पार्टी से मिलती है। भाजपा में शामिल होने के बाद बीजेपी नेता संजय मयूख के साथ मनीष कश्यप ने तस्वीर भी जारी की थी। मनीष कश्यप बीजेपी के सदस्यता लेने के बाद झारखंड चुनाव और दिल्ली चुनाव में काफी अहम भूमिका उन्होंने निभाई थी। झारखंड चुनाव में उन्होंने विभिन्न प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था। इस दौरान उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से भी हुई थी। दिल्ली में मनीष कश्यप बीजेपी सांसद मनोज तिवारी के लिए भी चुनाव प्रचार किया था। मनीष को बीजेपी में शामिल करने में मनोज तिवारी ने अहम भूमिका निभाई थी। आचार संहिता उल्लंघन का मामला हुआ था दर्ज हालांकि, मनीष कश्यप के निर्दलीय चुनाव लड़ने की भी चर्चा थी। इसी क्रम में चुनावी सभा को संबोधित करने को लेकर उनपर आचार संहिता उल्लंघन का मामला भी दर्ज हुआ था। बताया जा रहा है कि मनीष कश्यप के साथ पूर्वी चंपारण के दरपा थाना क्षेत्र के नरकटिया गांव निवासी प्रकाश साह और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मालूम हो कि तमिलनाडु में बिहार के मजदूरों के साथ मारपीट का फर्जी वीडियो शेयर करने को लेकर यूट्यूबर मनीष कश्यप की मुश्किलें बढ़ी थी। इस मामले में बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (एडव) ने मनीष कश्यप के खिलाफ FIR दर्ज की थी। जब इस केस में छापेमारी शुरू हुई तो कई दिनों तक गिरफ्तारी के डर से मनीष कश्यप बिहार छोड़कर फरार हो गया था। उसकी तलाश में कई जगहों पर छापेमारी हुई थी। बेतिया पुलिस ने 18 मार्च 2023 को दूसरे केस में मनीष के घर की कुर्की जब्ती शुरू की तो उसने स्थानीय थाने में सरेंडर किया। उसी दिन पटना से गई एडव की टीम ने उसे अपने केस में कब्जे में लिया था।

संक्षिप्त डायरी

पिता ने मासूम के साथ नदी में लगाई छलांग, मौत

सहरसा। में एक पिता ने अपने साढ़े तीन साल के बेटे के साथ नदी में छलांग लगा दी। इससे दोनों की मौत हो गई। गुरुवार को बच्चे का शव बरामद हुआ, जबकि शुक्रवार को पुलिस ने पिता के शव को नदी से निकाला है। घटना सोनवर्षा राज थाना

की है। दोनों बुधवार की शाम से लापता थे, जिसके बाद परिजन ने बताया कि पिता ने बच्चे को लेकर लगमा नदी में छलांग लगा दी है। इसी के बाद पुलिस ने शव की तलाश नदी में शुरू की थी। कपड़े को देख परिजन ने उसकी पहचान सोनवर्षा राज थाना इलाके के शाहपुर पंचायत निवासी महेश गुप्ता(32) और उसके बेटे गंगा कुमार(3.5) के रूप में की है। इसके बाद पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। महेश पांच भाइयों में दूसरे स्थान पर था।पत्नी के छोड़ने और कर्ज से परेशान था मृतक के छोटे भाई नरेश गुप्ता ने बताया कि महेश की शादी पांच साल पहले 2020 में सुपौल के जदिया थाना क्षेत्र में हुई थी। शादी के बाद उसे एक बेटा हुआ, लेकिन कुछ दिन पहले दिसंबर 2024 में पारिवारिक कलह के कारण उसकी पत्नी ज्योति ने उसे छोड़कर दूसरी शादी कर ली। इसके बाद से महेश अपने बेटे के साथ रह रहा था। 1 लाख का था कर्ज नरेश ने बताया कि महेश पर 1 लाख का कर्ज था। वह इस बात को लेकर काफी परेशान रहते थे। माना जा रहा है कि पत्नी के चले जाने और कर्ज के बोझ के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। बुधवार की शाम से महेश और उनका बेटा लापता थे। गुरुवार को एक अज्ञात बच्चे के शव की सूचना मिली। रात में शव की पहचान गंगा कुमार के रूप में हुई।जांच में जुटी पुलिस सोनवर्षा राज थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। फिर भी पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

बिहार पुलिस ईद, रामनवमी, चैती छठ को लेकर अलर्ट

पटना। बिहार पुलिस ईद, रामनवमी, चैती छठ को लेकर अलर्ट मोड में है। जिलों के साथ-साथ पुलिस

मुख्यालय में भी कंट्रोल रूम बनाया गया है। एसपी से लेकर थाना प्रभारी को मुख्यालय की ओर से आम आदमी के फोन कॉल्स पर रिस्पॉन्ड करने का निर्देश दिया गया है। डीजे और अश्लील गानों पर बैन लगाया गया है। पटना यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव को लेकर भी अलग से तैयारी की गई है। डीएसपी और रढ रैंक के अधिकारी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में आयोजित एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन और एडीजी लॉ एंड ऑर्डर पंकज दारद ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी है। जेडीयू विधायक गोपाल मंडल पर नजर एडीजी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन ने जेडीयू विधायक गोपाल मंडल के सवाल पर कहा कि उनकी गतिविधियों की मॉनिटरिंग हो रही है। जेडीयू विधायक के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। बेल लिए हैं या नहीं , इसकी जानकारी फिलहाल नहीं है। अगर बेल नहीं लिए होंगे तो विधि सम्मत कार्रवाई होगी। 3500 होमगार्ड जवानों की ड्यूटी लगाई गई है वहीं, लॉ एंड ऑर्डर एडीजी ने कहा कि निर्धारित रूट से ही जुलूस निकाले जाएंगे। रूट बदलने से लॉ एंड ऑर्डर पर फर्क पड़ता है। असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी जिलों के रढ को फोर्स ऑडिट करके अलग क्यूआर टीम बनाकर विधि व्यवस्था में लगाने का निर्देश दिया गया है। सभी बलों को बॉडी प्रोटेक्टर, सुरक्षा उपकरणों के साथ फील्ड में उतरने को कहा गया है। कंट्रोल रूम में एंबुलेंस, सेफ्टी फायर उपलब्ध रहेंगे। जुलूस की वीडियोग्राफी डीएम और एसपी अपने स्तर से कराएंगे।

9 बीघा जमीन के लिए ससुर की हत्या

फतुहा। के नरैना पुल के नीचे से मिले शव की पहचान हो गई है। मृतक

सुभाष यादव(45) नालंदा के दीपनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। 9 बीघा जमीन के लिए दामाद राजमणि और समधी मंजू ने हत्या की साजिश रची थी। वायरल फोटो के आधार पर मृतक की मां गौरी देवी,भाई पृथ्वी यादव और धनंजय यादव ने थाने पहुंचकर शव की पहचान की।धनंजय यादव ने बताया कि 23 दिसंबर 2024 को दोनों आरोपी सुभाष को घर से बुलाकर ले गए थे। इसके बाद से भाई का कुछ पता नहीं चल रहा था। दीपनगर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आरोपी दबंग है, इसलिए हमारी नहीं सुनी गई। परिजनों ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। धनंजय यादव ने बताया कि मां गौरी देवी दीपनगर थाने में बेटे के बारे में पूछने गई थी। पुलिस ने बताया कि बीमारी से मौत हो गई है। उनका दाह संस्कार कर दिया गया है। अगर दाह संस्कार हो गया था, तो शव दूसरे जिले में कैसे मिला।

ईद को लेकर सेवई और मिठाई दुकानों पर उमड़ी भीड़

बक्सर। में रमजान के अंतिम पड़ाव पर ईद-उल-फित्र की तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के नया बाजार, यमुना चौक बाजार और पीपी रोड पर खरीदारों की भारी भीड़ देखी जा रही है। सेवई की दुकानों पर सबसे ज्यादा भीड़ है। रेशमी सेवई, लेसवाली सेवई और ड्राई फ्रूट्स वाली सेवई की मांग सबसे अधिक है। दुकानदार इरफान अली के मुताबिक इस बार अच्छी क्वालिटी की सेवई की डिमांड ज्यादा है। कीमतों में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद लोग खरीदारी कर रहे हैं। मिठाई की विशेष डिमांड मिठाई दुकानदार राजू साह ने बताया कि ईद के लिए मावा बर्फी, गुलाब जामुन और खोया पेड़ा की विशेष तैयारी की गई है। बाजार में कपड़े, जूते, इत्र, टोपी और बच्चों के खिलौनों की दुकानें भी गुलजार हैं। महिलाएं घरों में सेवई और अन्य पकवान बनाने की तैयारी में जुटी हैं। बच्चों में ईदी पाने का उत्साह देखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने सुरक्षा के लिए मस्जिदों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात कर दिया है। अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से ईद को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की है। चांद दिखने के बाद ही ईद मनाई जाएगी। इसी इंतजार में पूरा शहर ईद की खुशियों के लिए तैयार है।

हरियाणा को मिला अपना राज्य गीत

सदन में ध्वनि मत से सर्वसम्मति से पास हुआ राज्य गीत का प्रस्ताव

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के आखिरी दिन हरियाणा को अपना राज्य गीत मिल गया। सदन में राज्य गीत के चयन पर गठित समिति द्वारा राज्य गीत पर रखा गया प्रस्ताव ध्वनि मत से सर्वसम्मति से पारित हुआ। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस गीत को मूर्तरूप देने वाले सभी गणमान्यों का आभार व्यक्त किया और इसे 2 करोड़ 80 लाख लोगों की भावनाओं में जोश भरने वाला गीत बताया।

श्री नायब सिंह सैनी ने सुझाव देते हुए कहा कि जिस प्रकार हमारे राष्ट्रगान के लिए नियम एवं मानदंड निर्धारित हैं, उसी प्रकार हमारे इस राज्य गीत के लिए भी कुछ नियम व मानदंड निर्धारित होने चाहिएं।

उन्होंने बताया कि इस राज्य गीत का प्रस्ताव सर्वप्रथम तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल लेकर आए थे। उन्होंने प्रदेश के राज्य गीत होने का प्रस्ताव सदन में रखा, जिसे सदन के सभी सदस्यों ने सहर्ष स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि कमेटी द्वारा यह गीत इस महान सदन में पहले भी सुनाया गया, जिस पर सदस्यों ने अपने सुझाव दिए और आज उन सुझावों को शामिल कर पुनः कमेटी द्वारा इसे सदन में प्रस्तुत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरि की भूमि हरियाणा वर्ष 1966 में एक अलग राज्य बना। लेकिन लगभग 6 दशक बीत जाने पर भी हमारा कोई राज्य गीत नहीं है। राज्यगीत किसी भी प्रदेश के गौरव को प्रकट करता है। इसलिए हमने हरियाणा प्रदेश का भी राज्य गीत बनाने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा कि इस गीत को बनाने, गाने, इसके लिए संगीत तैयार करने और अन्य कार्यों में जिन महानुभावों ने योगदान किया है, उनका विशेष आभार प्रकट करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह राज्य गीत हमारे इतिहास और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें हरियाणा की महान संस्कृति की सुगंध है। इसमें हरियाणा की जनता द्वारा किए गए विभिन्न योगदानों की भी एक झलक है। हरियाणा की पवित्र भूमि वैदिक पूर्व काल से ही एक गौरवशाली इतिहास, समृद्ध परंपराओं और संस्कृति का केन्द्र रही है। आज भी हरियाणा को भारत के अग्रणी राज्यों में माना जाता है। हमारे कर्मठ किसानों ने जहां देश की विशाल आबादी के लिए अन्न उपजाया है। वहीं, हमारे वीर और देशभक्त जवानों ने देश की सरहदों की सुरक्षा के लिए अनेक बलिदान दिए हैं। एक नवंबर, 1966 को जब हरियाणा बना तो हमारा विशाल क्षेत्र मरुस्थल था। लेकिन हरियाणा के मेहनती लोगों ने उस मरुस्थल को भी सोना उगलने वाली भूमि बना दिया और इसकी पहचान एक

समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित की। ऐसी पावन और उर्वरा धरती का गुणगान हमारे अनेक लोक गायकों ने किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों में अपनी माटी के प्रति संवेदनशीलता, कर्मठता और निष्ठा को उ- केरने का कार्य यह राज्य गीत करेगा। यह गीत हमारे प्रदेश की प्रगति, इसके विकास, इसके प्रतिमानों को बखूबी बयान करेगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टोलरेंस नीति : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार पिछले 11 सालों से लगातार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस नीति अपनाते हुए कार्य कर रही है और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों या अन्य लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जा रहा है।

मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मनरेगा के संबंध में विधायक डॉ रघुबीर कादियान द्वारा उठाए गए मुद्दे का जवाब दे रहे थे।नायब सिंह सैनी ने कहा कि मनरेगा घोटाले के मामले में वर्तमान राज्य सरकार ने संज्ञान लेते हुए सख्त एक्शन लिया है। इस मामले में अधिकारियों और संल्पित अन्य लोगों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि आगे भी सरकार द्वारा जीरो टोलरेंस नीति पर चलते हुए भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत में बर्दाशत नहीं किया जाएगा।

बजट की एक-एक पाई हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई के लिए होगी खर्च - मुख्यमंत्री

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट सत्र के दौरान रचनात्मक सुझावों के लिए सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हरियाणा के इतिहास का शायद यह सबसे लंबा बजट सत्र रहा है। 12 दिन चले इस बजट सत्र में कुल 13 बैठक आयोजित हुई है और सदस्यों द्वारा 60 घंटे रचनात्मक चर्चा की गई है।

मुख्यमंत्री आज बजट सत्र के समापन उपरांत विधानसभा परिसर में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे ।

उन्होंने कहा कि 17 मार्च को वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने अपना पहला बजट प्रस्तुत किया था । इन बजट प्रस्तावों पर सदन में 8 घंटे 26 मिनट सदस्यों द्वारा विचार मंथन किया गया जिसमें विपक्ष की ओर से 23 सदस्यों द्वारा 4 घंटे 36 मिनट अपने विचार रखे गए। इसी प्रकार, सत्ता पक्ष की ओर से 21 विधायक 3 घंटे 35 मिनट बोले । साथ ही दो निर्दलीय विधायकों ने भी 15 मिनट बजट पर अपने विचार रखे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बजट सत्र के दौरान विभिन्न विधायकों द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर दिए गए ध्यानाकर्षण प्रस्तावों को विधानसभा स्पीकर द्वारा स्वीकार करते हुए कुल 10 ध्यानाकर्षण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, हरियाणा प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए पेश किए गए 16 महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा कर उन्हें पारित किया गया। उन्होंने कहा कि 205017 करोड़ रुपए की राशि के बजट की एक-एक पाई हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई के लिए खर्च की जाएगी ।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि स्पीकर द्वारा सभी सदस्यों को खुलकर बोलने का मौका दिया गया जिसके कारण बजट के सभी पहलुओं पर सकारात्मक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि प्रश्न काल के दौरान 20 ही प्रश्न सूचित किए जाते हैं और कई बार ऐसा हुआ की 20 के 20 प्रश्नों पर चर्चा करते हुए सरकार द्वारा जवाब दिया गया।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि विपक्ष ने चर्चा के दौरान जो भी सुझाव दिए उन सभी को नोट किया गया, चाहे वह विधेयक को लेकर हो, राज्यपाल के अभिभाषण को लेकर हो या बजट को लेकर हो। सरकार द्वारा उनके एक-एक उठाए गए सवाल का जवाब दिया गया।एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 मार्च को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा हिसार में एक बड़े ब्लॉक का उद्घाटन करेंगे । उन्होंने कहा कि इस मेडिकल कॉलेज से हरियाणा ही नहीं बल्कि राजस्थान और पंजाब के लोग भी लाभान्वित हो रहे हैं।इसके अलावा भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर देश की यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को दो बड़ी परियोजनाओं की सौगात हरियाणा वासियों को देंगे जिसमें एक परियोजना का उद्घाटन और एक का शिलान्यास शामिल है । उन्होंने बताया कि कई बड़े अन्य प्रोजेक्ट्स भी तैयार हैं जिनकी प्रशासनिक स्वीकृति अभी लंबित है जिसमें कुटेल में कल्पना चावला मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, भिवानी में पंडित नेकीराम शर्मा मेडिकल कॉलेज, अंबाला में एयरपोर्ट और शहीद स्मारक आदि शामिल हैं। इनकी प्रशासनिक स्वीकृति मिलने उपरांत जल्द ही इन्हें जनता को समर्पित किया जाएगा।

बजट सत्र में विधायकों द्वारा 60 घंटे रचनात्मक चर्चा की गई

जनकल्याण के लिए पेश किए गए 16 महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा कर किए पारित

31 मार्च को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में एक बड़े ब्लॉक का करेंगे उद्घाटन

ईद की छुट्टी रद्द करने पर मुस्लिम समाज में भारी नाराजगी

सीएम सैनी से की ये गुजारिश

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। जींद/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा सरकार द्वारा ईद पर अबकी बार सरकारी छुट्टी का फरमान जारी न करने के कारण मुस्लिम समाज ने सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की है। मुस्लिम समाज का कहना है कि इससे कहीं ना कहीं त्योहार पर लोगों की संख्या को कम करने का काम किया जा रहा है। पिछले सालों से हर बार ईद की छुट्टी होती है तो अबकी बार क्यों नहीं। इससे साफ दिखाई दे रहा है कि मुस्लिम समाज के प्रति सरकार की क्या मानसिकता है। ईद के त्योहार पर मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं और नमाज पढ़ने का काम करते हैं लेकिन अबकी बार सरकार ने ईद के त्यौहार की छुट्टी रद्द कर दी है जिसका हवाला फाइनेसीयल के कामों का है। हरियाणा के मुख्यमंत्री बहुत अच्छे और नेक दिल के हैं। हम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से गुजारिश करते हैं कि वह ईद के दिन की छुट्टी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करें, जिससे समाज में खुशी होगी और समाज अपने त्योहार को अच्छे से मना पाएगा।

साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश, आरोपियों में बैंक अधिकारी भी शामिल..

अंबाला/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के अंबाला जिले में पुलिस ने एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश करते हुए सात ठगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से छह आरोपी गुरुग्राम के रहने वाले हैं, जबकि एक बिहार से है। हैरानी की बात तो ये है कि इस गिरोह में एक बैंक अधिकारी भी शामिल था। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 13.74 लाख रुपये नकद, नोट गिनने की मशीन, 25 अळट कार्ड, 7 मोबाइल फोन और 6 चेकबुक बरामद की हैं। यह गिरोह ऑनलाइन ट्रेडिंग और भारी मुनाफे का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था. आरोपी पहले निवेश का लालच देते और जब कोई व्यक्ति उनके झांसे में आ जाता, तो उससे ओटीपी साझा करने को कहते। इसी तरीके से आरोपियों ने अंबाला के एक व्यक्ति से 26 लाख रुपये की ठगी की थी।पुलिस जांच में पता चला है कि इस गिरोह के खिलाफ विभिन्न राज्यों में 27 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारी के बयान के मुताबिक इस गिरोह को लंबे समय से ट्रैक किया जा रहा था।गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने उनका रिमांड हासिल कर लिया है। अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि इन्होंने और कितने लोगों को शिकार बनाया है। पुलिस इस गिरोह के नेटवर्क को तोड़ने के लिए आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

अमृतसर, लुधियाना, बठिंडा सहित इन जिलों के लोगों को होने जा रहा बड़ा फायदा, पढ़ें...

पंजाब। सामाजिकन्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा आशीर्वाद योजना के तहत चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के 1872 लाभार्थियों को 9.55 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। इस संबंध में ओर जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि आशीर्वाद योजना के तहत अमृतसर, बरनाला, बठिंडा, फिरोजपुर, श्री फतेहगढ़ साहिब, होशियारपुर, कपूरथला, लुधियाना, श्री मुक्तसर साहिब, एस.बी.एस. नगर और तरनतारन जिलों के पिछड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित 1872 लाभार्थियों के आवेदन इस वर्ष आशीर्वाद पोर्टल पर प्राप्त हुए थे। इन लाभार्थियों को कवर करने के लिए 9.55 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि इस राशि से अमृतसर के 865, बरनाला के 17, बठिंडा के 81, फिरोजपुर के 71, श्री फतेहगढ़ साहिब के 34, होशियारपुर के 152 लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसी तरह, कपूरथला के 58, लुधियाना के 326, श्री मुक्तसर साहिब के 84, एस.बी.एस. नगर के 105 और तरनतारन के 79 लाभार्थियों को भी वित्तीय सहायता दी गई है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि आशीर्वाद योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा राज्य में कम आय वाले परिवारों की बेटियों की शादी के लिए 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक पंजाब राज्य का स्थायी निवासी होना चाहिए, उसका परिवार गरीबी रेखा से नीचे हो, आवेदक अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्गों या अन्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से संबंधित हो और परिवार की वार्षिक आय 32,790 रुपए से कम हो। ऐसे परिवारों की दो बेटियां इस योजना का लाभ उठाने की पात्र हैं। कैबिनेट मंत्री ने आगे बताया कि वित्तीय सहायता का भुगतान डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जाता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार प्रत्येक वर्ग के लोगों का जीवन स्तर सुधारने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार जहां अन्य वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए भी लगातार काम कर रही है।

पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, हत्या कर बेड बॉक्स में डाला शव; अदालत ने दी फांसी की सजा

लुधियाना। पांच वर्षीय बच्ची को अपने कमरे ले जाकर उससे दुष्कर्म के बाद हत्या के दोषी को स्थानीय अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है। उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के गांव टेसाही बुजुर्ग के रहने वाले 28 वर्षीय सोनू सिंह के रूप में हुई है। दोषी ने बच्ची की हत्या के बाद उसका शव घर के बेड में छिपा दिया था। अदालत ने सीसीटीवी फुटेज और डीएनए रिपोर्ट सहित 16 लोगों की गवाही के आधार पर 58 पृष्ठों में फैसला सुनाते हुए उसे बिना किसी संदेह के दोषी ठहराया। उसे फांसी के अलावा 5,50,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जुमार्ने की राशि में से पांच लाख रुपये पीड़िता के परिवार को मुआवजे के रूप में दिए जाएंगे। अदालत ने फैसले में कहा कि पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या से अधिक जघन्य अपराध नहीं हो सकता, जो यह समझने में असमर्थ थी कि जब वह खेलने के बहाने अपराधी के पास गई तो क्या होने वाला है। उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उसे दस रुपये का चाकलेट देने वाला व्यक्ति इसके बदले में उसकी इज्जत और जान ले लेगा। यह दोषी की शैतानी प्रवृत्ति को दशार्ती है, जिसने एक शिकारी की तरह व्यवहार किया और अपनी कामुक इच्छा को संतुष्ट करने के लिए पीड़िता के साथ क्रूरता की। इसके बाद खुद को बचाने के लिए बच्ची की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को बेड बाक्स में फेंक कर भाग गया। वास्तव में, ऐसे अपराधी समाज के लिए खतरा हैं और इन्हें सुधारा और पुनर्वासित नहीं किया जा सकता। इस न्यायालय का दृढ़ मत है कि वर्तमान मामला

दुर्लभतम मामलों के दायरे में आता है, इसलिए दोषी को मृत्युदंड की सजा दी जाती है। इससे पहले, नरमी बरतने की दलील देते हुए दोषी ने कहा कि वह गरीब, अविवाहित, अनाथ है और उसका कोई परिवार नहीं है। घटना के समय वह नशे में था। 28 दिसंबर, 2023 को सोनू सिंह बच्ची को चाकलेट दिलाने के बहाने तब अपने साथ ले गया, जब वह बाहर बच्चों के साथ खेल रही थी। वह उसे कमरे में ले गया और उससे दुष्कर्म करने के बाद पकड़े जाने के डर से उसकी हत्या कर शव को कमरे में पड़े बेड बाक्स में डाल दिया।

इसके बाद कमरे को ताला लगाकर फरार हो गया। शाम तक बच्ची जब घर नहीं पहुंची तो परिवार ने पहले अपने स्तर पर ढूंढ़ा, फिर पुलिस को शिकायत दी। बाद में इलाके में लगे सीसीटीवी में सोनू बच्ची को अपने साथ लेकर जाता दिखाई दिया। पुलिस जब उसके कमरे में पहुंची तो ताला लगा हुआ था। पुलिस ने ताला तोड़कर जब तलाशी ली तो बच्ची का शव बेड बाक्स से बरामद हुआ। बाद में पुलिस ने सोनू को भी गिरफ्तार कर लिया। सुबूत के लिए पुलिस ने सीसीटीवी के अलावा दोषी का डीएनए टेस्ट भी करवाया था।

पंजाब के स्कूल-कॉलेज की कैंटीन को लेकर जारी हुआ नया निर्देश, अब छात्रों की सेहत को ध्यान में रखते हुए इस प्रोडक्ट को किया बैन

पंजाब। के स्कूलों और कॉलेज की कैंटीन में अब बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने ये जानकारी दी है। पंजाब के स्कूलों और कॉलेजों की कैंटीन में अब एनर्जी ड्रिंक पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। शैक्षिक संस्थानों के 500 मीटर के दायरे में भी एंर्जी ड्रिंक्स की बिक्री पर रोक रहेगी। पंजाब में ये फैसला युवाओं के लाइफस्टाइल में सुधार लाने के उद्देश्य से लिया गया है। वहीं स्वास्थ्य संबंधित आदतों में सुधार लाना भी अहम कारण है। पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ये घोषणा 'ईट राइट' मेला के उद्घाटन के दौरान की है। इस दौरान राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा भी मौजूद थे। इस दौरान एनर्जी ड्रिंक्स के सेवन से होने वाले नकारात्मक प्रभाव की चर्चा की गई। इसके साथ ही बताया गया कि एनर्जी ड्रिंक्स की बिक्री पर प्रतिबंध लागू होगा। इस प्रतिबंध का सुचारू रूप से पालन हो इसके लिए स्वास्थ्य टीमें कैंटीन की नियमित जांच करेंगी। स्कूल-कॉलेजों के पास दुकानदारों को कहा गया कि एनर्जी ड्रिंक्स के विज्ञापनों को भी ना लगाए। इस ड्रिंक्स की जगह लस्सी, नींबू पानी, ताजे जूस और बाजरे से बने उत्पादों यानी हेल्दी ऑप्शंस रखे जाए। डॉ. बलबीर सिंह ने मिलेट्स और जैविक खाद्य पदार्थों का उपयोग करने पर भी जोर दिया जो पूरे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मददगार होता है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स यानी मोटा अनाज जैसे बाजरा, कंगनी, कोदरा, ज्वार, सांवन और रागी का उपयोग करने से सेहत अच्छी होती है। इसके सेवन की उपेक्षा करना परेशानी खड़ी कर सकता है। ये शरीर में जागह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है। डॉ. सिंह के मुताबिक इन अनाजों को उगाने से पानी की बचत होती है और ये स्वस्थ आहार भी देता है जो पोषक तत्वों से भरपूर होते है।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पर्जिलस नाइजर, एर्स्पर्जिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियॉ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूंगफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियॉ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉं

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.
सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव
फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।
उर्वरक
प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर
पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।
सिंचाई एवं जल निकास
लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,
हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।
मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया
लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉं हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।
रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।
बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।
एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

रॉबिनहुड में नजर आएगी नितिन श्रीलीला की जोड़ी

नितिन की फिल्म रॉबिनहुड 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन फिल्म की रिलीज से पहले इसके ओटीटी और सैटेलाइट तय कर दिए गए हैं। इस फिल्म का निर्देशन वेंकी कुडुमुला ने किया है। इन दिनों रॉबिनहुड की पूरी स्टार कास्ट फिल्म का प्रचार कर रही है। यही वजह है कि हाल ही में इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे क्रिकेटर डेविड वार्नर भी फिल्म के प्रचार के लिए हैदराबाद पहुंच चुके हैं। एक खबर के मुताबिक, जी ने फिल्म के पोस्ट-थियेट्रिकल अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। ओटीटी स्ट्रीमिंग अधिकार जी5 के पास हैं, जबकि जी तेलुगु के पास इस फिल्म के सैटेलाइट अधिकार हैं। रॉबिनहुड के सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फैंस को पूरी उम्मीद है कि यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी।

रॉबिनहुड में नजर आएंगे डेविड वार्नर

रॉबिनहुड एक एक्शन कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें नितिन, श्रीलीला के अलावा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। नितिन, श्रीलीला और डेविड के अलावा फिल्म में राजेंद्र प्रसाद, वेनेला किशोर अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के तहत किया गया है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म में केतिका शर्मा का एक स्पेशल सॉन्ग भी है। नितिन और श्रीलीला के फैंस को रॉबिनहुड की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

सिर्फ एक्टिंग नहीं, किरदार को भी जीती हूं

रश्मिका मंदाना की पिछली तीन फिल्मों ने 500 करोड़ से अधिक की कमाई की। आगे वह सिंकदर और द गर्लफ्रेंड में भी दिखेंगी। उनसे फिल्मों और करियर पर हुई बातचीत...

2016 में करियर की शुरुआत की थी। इतने समय में क्या कुछ सीखा और बदलाव पाया?

मैंने इन सालों में बहुत कुछ सीखा। मुझे लगता है कि आज मेरे काम में एक आत्मविश्वास है। शुरुआती दिनों में मैं परफॉर्म तो करती थी लेकिन अपने क्राफ्ट को लेकर उतनी श्योर नहीं थी। लोग कहते थे कि मैं प्रिटी लगती हूं, स्क्रीन पर प्लीजिंग लगती हूं और डिलीवर कर सकती हूं लेकिन किन मैं खुद को लेकर बहुत क्लियर नहीं थी। आज, मुझे लगता है कि मैं किसी भी भीड़ में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच सकती हूं। जब मैं स्क्रीन पर होती हूं तो लोग मुझ पर फोकस करते हैं। ये मेरे लिए एक बड़ा बदलाव है।

छावा एक बड़ी हिट रही। किरदार में ढलने के लिए क्या रिसर्च की थी?

छावा के लिए मेरी तैयारी किसी महारानी की तरह ही शाही रही थी। लक्ष्मण उतेकर सर से कहा, जो आप कहेंगे, मैं करूंगी। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती लैंग्वेज थी। हिंदी मेरी मातृभाषा नहीं है लेकिन ऑडियंस के लिए इसे सीखना मेरा फर्ज था। संवादों के लिए मैंने हर दिन 3-4 घंटे मेहनत की। यह सिलसिला पांच महीनों तक चला। मेरे लिए यह सिर्फ किरदार निभाने की बात नहीं थी, बल्कि उस किरदार की आत्मा को जीने की कोशिश थी।

द गर्लफ्रेंड के बारे में कुछ शेयर करेंगी?

द गर्लफ्रेंड के बारे में... बहुत कुछ एक्साइटिंग है। मुझे लगता है कि यह एक अनोखी कहानी है। यह एक कॉन्सेप्ट है जो आज के समय की बात करता है। यह फिल्म मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है क्योंकि यह मेरी पहली सोलो फिल्म है। मैं इसे अपनी बेबी फिल्म मानती हूं और इसके लिए पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। कहानी को परदे पर लाने के लिए हमारी कड़ी मेहनत और जुनून साफ दिखाई देगा। मुझे यकीन है कि यह ऑडियंस को प्रभावित करेगी। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि यह मेरी एक और चुनौतीपूर्ण जर्नी होगी।

ओडेला 2 में भैरवी के किरदार को खुद के लिए भाग्यशाली मानती हैं तमन्ना

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं तमन्ना भाटिया हाल ही में अपनी नई फिल्म ओडेला 2 को लेकर खास बातचीत की।

हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट के दौरान तमन्ना और फिल्म के क्रिएटिव सुपरवाइजर संपत नंदी और फिल्म के निर्माताओं ने मीडिया से बात की। तमन्ना ने बताया कि वह फिल्म में भैरवी का किरदार निभा रही हैं और इसे बहुत खास मानती हैं।

ओडेला 2, 17 अप्रैल को रिलीज होगी

एक खबर के मुताबिक, तमन्ना ने कहा कि वह ओडेला 2 में भैरवी का किरदार निभाकर खुद को भाग्यशाली मानती हैं। तमन्ना ने कहा, मुझे पहली फिल्म बहुत पसंद आई थी। ओडेला 2 की कहानी बहुत रोमांचक है। गांव की पृष्ठभूमि में इस तरह की कहानी बनाना आसान नहीं है, लेकिन निर्देशक अशोक तेजा ने कमाल कर दिखाया। निर्माता डी मधु ने भी इसे बहुत मेहनत से बनाया है। यह फिल्म दर्शकों को थिएटर में शानदार अनुभव देगी। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म का टीजर महाकुंभ मेले के दौरान जारी किया गया था। फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर अप्रैल के पहले हफ्ते में रिलीज होने की उम्मीद है। इस फिल्म में तमन्ना नागा साधु के अवतार में नजर आएंगी। ओडेला 2 का निर्माण डी मधु ने अपने मधु क्रिएशन्स बैनर के तहत संपत नंदी टीमवर्क्स के सहयोग से किया है।

ओडेला 2 में नजर आएंगी तमन्ना

अशोक तेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 2019 में आई ओडेला रेलवे स्टेशन का दूसरा भाग है, जो एक सुपरनैचुरल थ्रिलर थी। फिल्म में तमन्ना भाटिया के अलावा हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन सिम्हा भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हुए वरुण धवन

हाल ही में वरुण धवन अपनी फिल्म की शूटिंग करते वक्त घायल हो गए हैं, जिससे उनको चोट आई है। अभिनेता ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पर दी है और दर्शकों से अपनी चोट को लेकर सवाल भी किया है। देहरादून की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म का निर्देशन वरुण के पिता डेविड धवन कर रहे हैं और इसमें पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता आखिरी बार बेबी जॉन फिल्म में नजर आए थे।

काम के दौरान लगी चोट

वरुण धवन को शूटिंग के दौरान चोट लग गई है, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर दी है। अभिनेता ने बुधवार को स्टोरी के जरिए बताया कि उन्हें उंगली में चोट लग गई है। साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों से सवाल किया कि आपकी उंगली को ठीक होने में कितना समय लगता है। इसके अलावा वरुण ने लिखा कि हैशटैग काम के दौरान की चोट। इस तस्वीर में उनकी उंगली में सूजन दिखाई दे रही है।

कई प्रोजेक्ट्स हैं वरुण के पास

वरुण धवन के पास इस समय कई फिल्में हैं, जो लाइन में लगी हुई हैं। हाल ही में अभिनेता ने जान्हवी कपूर के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग पूरी की। अब वे बॉर्डर 2 पर फोकस करने से पहले है जवानी तो इश्क होना है की शूटिंग में जुट गए हैं।

फिल्म का पहला शेड्यूल किया पूरा

अभी कुछ दिनों पहले ही वरुण धवन ने है जवानी तो इश्क होना है की

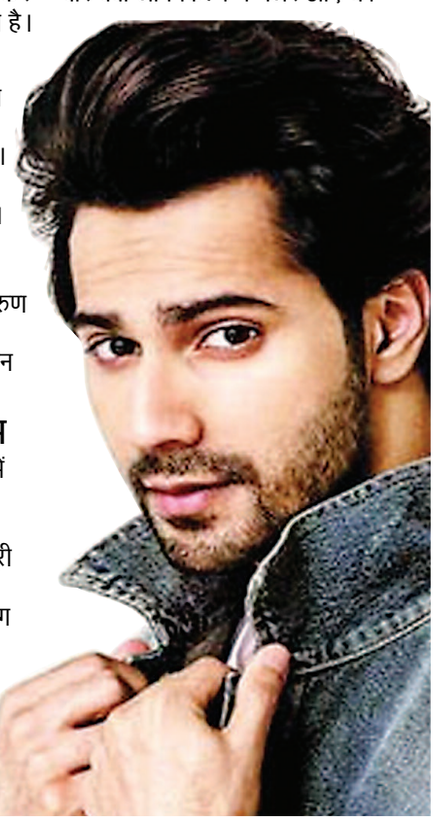

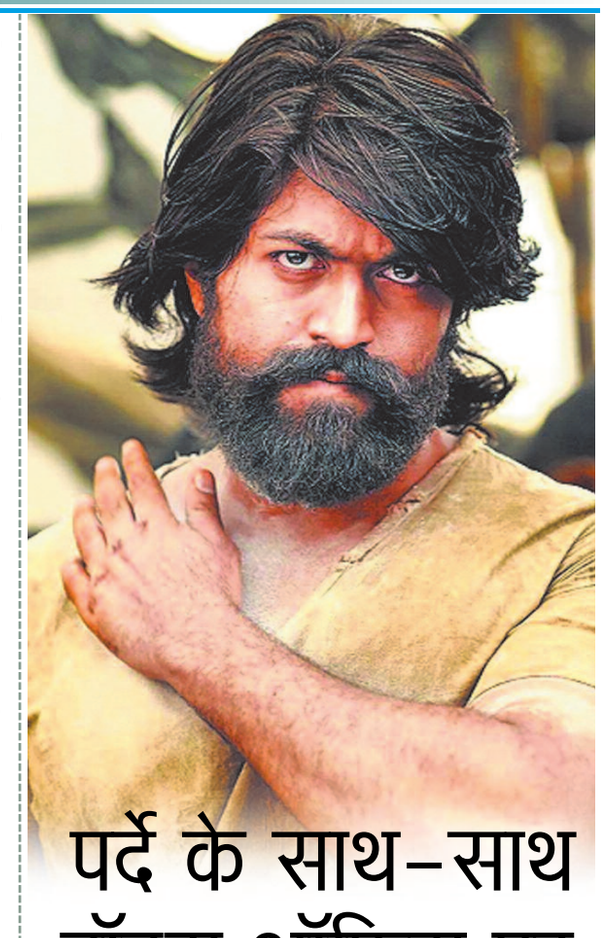

पर्दे के साथ-साथ बॉक्स ऑफिस पर रणबीर से भिड़ेंगे यश

इस साल ईद के मौके पर सलमान खान की फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। अगले साल ईद के मौके पर दो फिल्में रिलीज होने वाली हैं। एक फिल्म 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का नाम टॉक्सिक है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार यश हैं। दूसरी फिल्म लव एंड वार है। यह फिल्म भी ईद के आस-पास ही रिलीज होने वाली है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। ऐसे में अगले साल यश और रणबीर कपूर की फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर टकराव देखने को मिल सकता है। यश को फिल्म केजीएफ से पूरे देश में शोहरत मिली। उम्मीद की जा रही है कि वह टॉक्सिक में भी अपनी पहले वाली छवि लेकर आएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसने अपने एलान के बाद से ही फैंस में काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। दूसरी तरफ लव एंड वार फिल्म है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। फिल्म में जबरदस्त विजुअल होंगे। फिल्म में भरपूर रोमांस और ड्रामा होगा। मजे की बात ये है कि यह पहली ऐसी जगह नहीं है जहां रणबीर और यश एक दूसरे से भिड़ेंगे।

पर्दे पर यश से भिड़ेंगे रणबीर

दोनों अभिनेता नितेश तिवारी की रामायण में राम और रावण का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन लड़ाई भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार क्षणों में से एक होने वाली है। ये फिल्म 2026 रिलीज होने वाली है। कई जानकारों ने उम्मीद जताई है कि जिस तरह से ये दोनों अभिनेता ऑनस्क्रीन लड़ाई करते नजर आएंगे, उसी तरह से इन दोनों की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लड़ाई करती नजर आएंगी। इससे साल 2026 फिल्म देखने वालों के लिए एक यादगार लम्हा होने वाला है।

इस ईद पर रिलीज होगी सिकंदर

आपको बता दें कि इस ईद के मौके पर को सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। फिल्म में सलमान खान के अलावा रश्मिका मंदाना, सुनी शेट्टी और शर्मन जोशी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है। फिल्म के टीजर और गाने ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उनके साथ सेट पर हुए कई किस्सों को लेकर खुलासा किया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की और बताया कि कैसे ऋतिक रोशन उनसे अलग और अनोखे दिखते हैं। एक खबर के मुताबिक, नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें अक्सर अपनी ही फिल्म के सेट पर रोक दिया जाता था। उन्हें भीड़ में घुलने-मिलने में मजा आता है। शुरुआती दिनों में जब वे ऑडिशन के लिए जाते थे, तो लोग कहते थे कि वे अभिनेता जैसे नहीं दिखते। इससे उन्हें गुस्सा और दुख होता था। वे कहते हैं कि लोग उनसे पूछते थे, आप कौन हैं? और जब वे बताते कि वे अभिनेता हैं, तो लोग कहते, आप तो अभिनेता जैसे दिखते नहीं।

ऋतिक रोशन को लेकर की बात

एक खबर के मुताबिक, इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा, आप अपरंपरागत दिखते हैं। भाई, मैं अपरंपरागत कैसे हो सकता हूं, जब भारत में करोड़ों लोग मेरे जैसे दिखते हैं। मैं पारंपरिक हूं, यह ऋतिक रोशन हैं जो अपरंपरागत दिखते हैं। इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने फिल्म तलाश का एक किस्सा सुनाया। तलाश की शूटिंग के दौरान एक गार्ड ने उन्हें सेट में घुसने से रोक दिया था। गार्ड को समझाने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। वे कहते हैं कि आज भी उनके साथ ऐसा होता है। हाल ही में रात अकेली है पार्ट 2 की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर हनी त्रेहान उन्हें ढूंढते थे, जबकि वे उनके ठीक पीछे खड़े होते थे। नवाजुद्दीन को यह सब अच्छा लगता है। वे कहते हैं कि उनका ऐसा स्वभाव है और वे इसका फायदा उठाते हैं।

रंग को लेकर बताई खास बात

पहले एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने रंग और शक्ल को लेकर लोगों के बुरे बर्ताव के बारे में भी बात की थी। नवाजुद्दीन ने कहा कि लोग उन्हें हमेशा कहते हैं कि वे बदसूरत हैं। दुख की बात यह है कि अब वे भी इस पर यकीन करने लगे हैं। वे कहते हैं, कुछ लोग मेरी शक्ल से नफरत क्यों करते हैं, पता नहीं। शायद इसलिए कि मैं इतना बुरा दिखता हूं। मैं खुद को आईने में देखता हूं तो सोचता हूं कि इतनी खराब शक्ल लेकर फिल्म इंडस्ट्री में क्यों आया?

सिकंदर और एल 2 एम्पुरान में कोई कंपटीशन नहीं

पृथ्वीराज सुकुमारन के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म एल2- एम्पुरान 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म सलमान खान की एक्शन ड्रामा सिकंदर के साथ बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेगी, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में पृथ्वीराज सुकुमारन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों फिल्मों के बीच कोई कंपटीशन नहीं है साथ ही उन्होंने सिकंदर की सफलता की कामना भी की। पृथ्वीराज ने कहा, सलमान खान देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं और दोनों फिल्मों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह एक ब्लॉकबस्टर बनेगी। उन्होंने कहा, अगर आप सुबह 11 बजे एल2- एम्पुरान और दोपहर 1 बजे सिकंदर देखते हैं तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी। सिकंदर का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है। वहीं, 'एल2- एम्पुरान' लूसिफर का दूसरा भाग है।

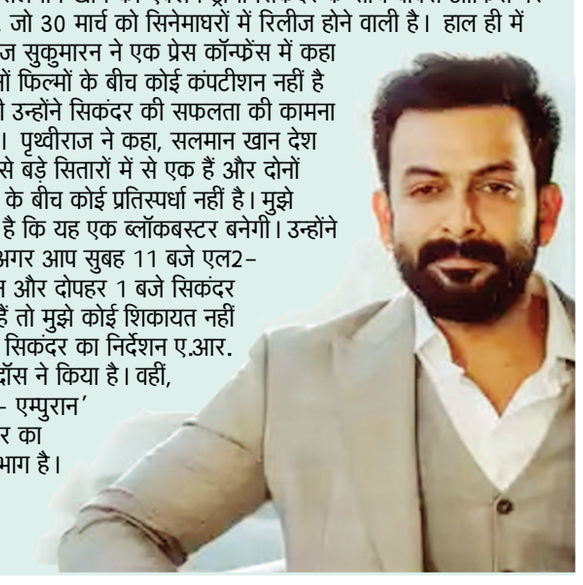

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।